REGISTERED NO D-(D)-73

The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 2 2]

नई विल्ली, शनिवार, मई 29, 1976 (ज्येष्ठ 8, 1898)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 29, 1976 (JYAISTHA 8, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 श्रप्रैल 1976

शुद्धि-पत्न

सं० ए० 12025(ii)/1/75-प्रशा०III—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 26 मार्चे, 1976 के पैराग्राफ 2 को निकाल दिया गया है।

2. उक्त श्रधिसूचना के पैराग्राफ $\frac{1}{3}$ की संख्या पैराग्राफ 2 हो जाएगी।

पी० एन० मुखर्जी श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक भ्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1976

श्रो ए० के० बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय के जयपुर उप-श्रेतीय कार्यालय में दिनांक 29-3-76 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन ग्रिधकारी केपद परस्थानापन के रूप में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन, निदेशक नई दिल्ली, दिनांक 14 श्रप्रैल 1976

श्री जी० एन० लखनपाल, निरीक्षक, ग्रायकर, ग्रम्तसर को प्रवर्त्तन निदेशालय के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय म दिनांक 31-3-1976 से ग्रगले श्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> नृपेन बक्सी उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रप्रैल 1976

सं० ए०-19036/5/76-प्रणासन-5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, श्री टी० एन० कपूर, पुलिस निरीक्षक, सी० ग्राई० ए०-1 शाखा को प्रोन्नति पर दिनांक 31-3-76 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में ग्रस्थायी रूप से पुलिस उप-श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19036/6/76-प्रशासन-5—िनदेशक, केन्द्रीय मन्वेषणब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, श्री होशियार सिंह, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय मन्वेषण ब्यूरो, जयपुर शाखा को प्रोन्नति पर दिनांक 1-4-76

86GI/76

(4481)

के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19036/7/76-प्रणासन-5—िनदेशक, केन्द्रीय द्यन्ये-षण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री ग्रार० के० स्वामीनायङ्, निरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (श्रार्थिक श्रपराध स्कंध) मद्रास को प्रोन्नति पर दिनांक 1-4-76 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में श्रस्थायी रूप से पुलिस उप-श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 प्रप्रल 1976

स० ए-19036/8/76-प्रणा०-5—निवेणक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतव्द्वारा, श्री केवल सिंह, पुलिस निरीक्षक, जम्मू शाखा को प्रोन्नति पर विनांक 14-4-76 के पूर्वाह्न से अगले आवेण तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापन में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल भ्रम्नवाल प्रशासन भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो ।

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्ज पुलिस फोर्स महानिदेशालय नई दिल्ली-110001, दिनांक 23 श्रप्रैंस 1976

सं० श्रो० टू० 114/73-ईस्ट—मेजर जगदीश राज ने श्रामीं में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 24 मार्च 1976 के अपराह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की प्रथम सिगनल बटालियन नई दिल्ली में सहायक कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार छोडा।

> ए० के० बन्धोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षकका कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षाबल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 श्रप्रैल 1976

सं० ई०-16013(2)/3/76-प्रणा०1—कर्नाटक शाज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री जय-प्रकाश, आई० पी० एस० (कर्नाटक-1965) ने दिनांक 24 मार्च 76 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई इस्पात संयंत्र, भिलाई के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं॰ ई-32015(2)/4/75-प्रशा॰ ।---पुनर्नियुक्ति पर, राष्ट्रपति, लैं॰ कर्नल मुकुट सिंह को दिनांक 30 मार्च 76 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, सिन्दरी का कमांडेंट नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय सिन्दरी में होगा।

> ली० सि० बिष्ट, महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

मई दिल्ली-110011, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० 11/4/76-म० प० (प्रणा० 1)— राष्ट्रपति, इस कार्या-लय की ग्रिधिसूचना सं० 11/7/75-म० प० (प्रणा०-1), दिनांक 8 सितम्बर, न1975 के अनुक्रम में, महाराष्ट्र में जनगणना निदेशक के कार्यालय में अन्येषक, श्री श्रार० ई० जौधरी को उसी कार्यालय में जनगणना कार्य के सहायक निदेशक के पद पर तहर्ष नियुक्ति को 18 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्म से चार महीने की और श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाएगा, नो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री चौधरी का मुख्यालय बम्बई में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-म० पं० (प्रशा० 1)----राष्ट्रपति, इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० 11/7/75-म०पं० (प्रशा० 1), तारीख 8 सितम्बर, 1975 के श्रनुक्रम में पश्चिम बंगाल में जनगणना निदेशक के कार्यालय में श्रन्वेषक, श्री डी० पी० चटर्जी की उसी कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 19 फरधरी, 1976 के पूर्वाह्म से चार महीने की और श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्थ बढ़ाते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-म०पं० (प्रणा० 1) — राष्ट्रपति, इस कार्यान्य की ग्रिधिसूचना सं० 11/7/75-म०पं० (प्रणा० 1), तारीख 16 सितम्बर, 1975 के प्रमुक्तम में, जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में प्रन्वेषक, श्री एच० एल० कल्ला की मध्य प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य (तकनीकी) के सहायक निदेशक के पद पर तबर्ष नियुक्ति को 1 मार्च, 1976 के पूर्वाह्म से चार महीने की ग्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री कल्लाकामुख्यालय भोपाल में ही रहेगा।

दिनांक 23 ग्रप्रैल 1976

सं० 6/1/74-म० प० (प्रशा० 1) — राष्ट्रपति, इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं० 6/1/74-म० पं० (प्रशा० 1), दिनांक 25 श्रगस्त, 1975 के श्रनुक्रम में श्री श्रार० एन० तलवार की सहायक

निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर पूर्णतः ग्रस्थायी भ्रौर तवर्थ नियुक्ति को विद्यमान शर्तो पर 1 मार्च, 1976 से 31 श्रगस्त, 1976 तक की श्रवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. राष्ट्रपति श्री एम० सी० शर्मा को सहायक निदेशक (कार्यक्रम) के पद पर 21 फरवरी, 1976 से 31 श्रगस्त, 1976 तक पूर्णतः श्रस्थाई श्रीर तद्दर्थ श्राधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> रा० भ० चारी, भारत के महापंजीकार

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक नई दिल्ली-22, दिनांक 20 ग्रप्रैल 1976

शुद्धि पत्न

सं० 68018(2)/71-प्रशा०- —भारत के राजपन्न भाग- III खण्ड I दिनांक 2 दिसम्बर, 1972 के पृष्ठ 1681 पर प्रकाशित समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 7-11-1972 की मद संख्या 9 को श्री जी० राममूर्ति से संबंधित है, रद्द किया जाता है।

विद्यमान मद 10 और 11 को ऋमानुसार 9 स्रौर 10 कर दिया जाए।

> एस० के० सुन्दरम, रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रक (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, ब्रायात-नियति का कार्यालय ब्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण नर्दे दिल्ली, दिनांक 23 ब्रप्रैल 1976

(स्थापना)

सं० 6/1020/74-प्रशा० (राज०) 1— सेधा निवर्तन की आयु प्राप्त होने पर, श्री सी० के० हरचन्दानी ने 31 मार्च, 1976 के दोपहर बाद इस कार्यालय में नियंत्रक, भायास-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० के० कौल मुक्य निमंत्रक, घायात-निर्यात

वस्त्र भायुक्त का कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 22 मप्रैल 1976

सं० 10(1)/73-75/सी० एल० बी० II—कपास नियंत्रण आदेण 1955 के खंड 5(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा वस्त्र श्रायुक्त को अधिसूचना सं० 10(1)/

73-74/सी० एल० बी० II दिनांक 19 दिसम्बर 1974 में निम्न-लिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:---

उक्त ग्रधिसूचना में :---

- स्पष्टीकरण (एक) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, प्रथात्:
 - "(एक) श्रौसत मासिक खपत, वस्त्र श्रायुक्त को सी एस टी एच--प्रपत्न में सितम्बर 1975/मार्च 1976 की श्रवधि के लिए विनिर्माता द्वारा रिपोर्ट किए गए वास्तविक खपत के श्रांकड़ों के श्राधार पर संगणित की जाएगी।"
- 2. स्पष्टीकरण (चार) के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जायगा, ग्रर्थात्:—
 - "(चार) इस भ्रधिसूचना के निमित्ते भारतीय कपास में सभी भारतीय कपास की किस्मों का समावेश माना जाएगा।"

गौरी शंकर भार्गव संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

उद्योग एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1976

सं० ए० 19018/236/76-प्रणासन (जी)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नई दिल्ली शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रागरा के स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन प्रधिकारी, श्री टी० एच० विलियम को उपरोक्त णाखा संस्थान के प्रधीनस्थ सैन्द्रल फुटवियर एण्ड ट्रेनिंग सैन्टर, श्रागरा में तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री विलियम ने दिनांक 23-2-76 के पूर्वाह्म में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्यभार संभाला।

वी० वेंकटारायु**लू** उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति विभागः
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-6)

नई विल्ली, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1976

सं० ए-1701 I/(14)/71-प्र-6—राष्ट्रपति, भारतीय नि-रीक्षण सेवा, श्रेणी-I के ग्रेड-III की इंजीनियरी शाखा में निरीक्षण श्रधिकारी श्री जे० के० खन्ना को दिनांक 30 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी सेवा के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण केपद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। श्री खन्ना ने निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मंडल के कार्यालय में निरीक्षण ग्रिधिकारी (इंजी०) का पदभार छोड़ दिया तथा 30 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से उप निदेशक निरीक्षण (इंजी०) का पदभार सम्भाल लिया।

> सूर्य प्रकाश उप-निदेशक कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा भ्रौर इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-700020, दिनांक 13 श्रप्रैल 1976

सं० ई० 1-2(2)/71—श्री प्रताप कुमार राय, कनिष्ठ निरीक्षक को, श्री निपेन्द्र नाथ सरकार के 15-5-1976 तक के प्राजित श्रवकाण पर चले जाने के बाद वरिष्ठ इस्पात नियंत्रण निरीक्षक के पद पर एतद्द्रारा 1 श्रप्रैल, 1976 (पूर्वाह्र) से प्रभावी स्थानापन्न नियुक्त किया जा रहा है।

टी० घोष

लोहा भ्रीर इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 15 भ्रप्रैल 1976

सं० 2251 (टी० सी० एम०)/19 बी—खिनज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री टी० सी० मारकोज ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में 19 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्म से संभाल लिया।

सं० 2251 (एम० एल० एफ०)/19 बी०—खिनज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री एम० एल० फोटेदार ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में 23 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्न से ग्रहण किया।

सं० 2181 (पी० के० एस०)/19 बी०—भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के रूप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वेतनमान में, प्रस्थाई क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से, पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

1. श्री पी० के० सेन गुप्ता

22-3-1976

2. श्री जी० के० मोहला

19-3-1976

सं० 2222 (बी० के० एस०)/19ए० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री विजय कुमार श्रीवास्तव को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतन मान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2251 (एम० एफ० म्रार० एच०)/19 बी०→-भार-तीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलिंग सहायक श्री मुहम्मद फजलूर रहिम हैंदर को ड्रिलर के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतन मान में, ग्रस्थाई क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 16-1-1976 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता हैं।

सं० 2251 (पी० के० म्रार० पी०)/19 बी०—खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री पी० के० रामचन्द्र पानिकर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ड्रिलर के पद का कार्यभार उसी क्षमता में 16 जनवरी, 1976 के पूर्वाह्म से ग्रहण किया।

सं० 264 (23/9) 19ए (खंडाा) / 76—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, ग्रस्थाई क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक, प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

क० सं० ग्रिधिकारियों के नाम	नियुक्ति तिथि
 डा० दिलीप कुमार राय कु० सिबानी दास गुप्ता 	18-3-1976 (पूर्वाह्न) 18-3-1976 (पूर्वाह्न)

दिनांक 17 ग्रप्रैल 1976

सं० 40/59/सी०/19ए०——भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री डी० पी० माइती को सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35■810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, तदर्थ ग्राधार पर श्रागामी आदेण होने तक 29-3-1976 के पूर्वाह्म से, पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 40/59/सी०/19ए० — भारतीय भूवें ज्ञानिक सर्वेक्षण के ग्रधीक्षक श्री ए० के० गुप्ता को सहायक प्रणासनिक ग्रधिकारी के रूप में, उसी विभाग में, वेतन नियमानुसार

650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, तदर्थ स्राधार पर, स्रागामी स्रादेश होने तक 31-3-1976 के स्रपराह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन, महानिदेशक मद्रास को दिनांक 13-4-76 (पूर्वाह्न) से प्राकाणवाणी, बंगलौर में प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सैन पांधी, श्रनुभाग श्रधिकारी कुते महानिदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली- 110001, दिनांक 20 प्रप्रैल 1976

सं० 9/19/60-स्टाफ-2—महानिदेशक, श्राकाणवाणी, श्री पी० बी० जोशी, मुख्य लिपिक/लेखाकार, श्राकाणवाणी प्रभानी को दिनांक 8 श्रप्रैल, 1976] (पूर्वाह्न से श्राकाणवाणी पटना में प्रशासनिक श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 ग्रप्रैल 1976

सं० 2/71/60-एस-दो---महानिदेशक, स्राकाणवाणी, श्री एस० रामालिगम, मुख्य लिपिक दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाशवाणी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रप्रैल 1976

सं० 28-3/73 एडमिन-I—राष्ट्रपति ने श्री वी० पी० भर्सान को 31 मार्च 1976 के पूर्वाह्न से आगामी प्रादेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 17-19/75 एडमिन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० तुलसीरामन को 24 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में श्रभियोजक के पद पर स्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 भ्रप्रैल 1976

सं० 38-8/75-सी० एच० एस०- \mathbf{I} —स्थानांतरण के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के निम्नलिखित श्रधिकारियों ने पत्तन विमानपत्तन स्वास्थ्य संगठनों में उनके नाम के श्रागे दिखाई गई तारीख से कार्यभार छोड़ दिया / ग्रहण किया है :——

पद का नाम तथा वर्ग	पद का कार्यभार छोड़ दिया	पद का कार्यभार ग्रहण किया
 डा० पी० सी० रे, विमानपत्तन स्वास्थ्य ग्रधिकारी, बम्बई (के० स्था० सेवा का विशेषज्ञ ग्रेड) 	24 मार्च, 1976 के ग्रपराह्न से विमानपत्तन स्वास्थ्य श्रधिकारी, विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, बम्बई ।	
2. डा०एस०डी० वोहरा, के० स्वार्थसेया के जी० डी० ग्रो० ग्रेड-I	13 मार्च, 1976 के प्रपराह्न से पत्तन स्वास्थ्य भ्रधिकारी, पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता ।	22 मार्चे, 1976 के पूर्वाह्न से विमान पत्तन स्वास्थ्य श्रिधिकारी, विमान पत्तन स्वास्थ्य संगठन, पालम ।
3. डा० एम० एम० मंडल केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० स्रो० ग्रेड-Î	11 मार्च, 1976 के ग्रपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली ।	12 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से उप-विमान पत्तन स्वास्थ्य ग्रधिकारी, पालमा

रविन्द्र नाथ तिवारी, उपनिदेशक प्रशासन कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

एन० एच०-4 फरीदाबाद, दिनांक 20 भ्रप्रैल 1976

सं० फाईल 4-6(108)/76 प्र० III— संघ लोक सेवा श्रायोग, नई दिल्ली की संस्तुतियों के श्रनुसार श्री रास बिहारी शाहा को श्रधिकृत श्रधिकारी द्वारा विषणन श्रौर निरीक्षण निदेशालय, कलकत्ता में दि० 15 मार्च 1976 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विषणन श्रधिकारी वर्ग-II, नियुक्त किया गया है।

> षी० पी० चावला, निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 18 मार्च 1976

सं० डी० पी० एस०/ए/32011/2/75/स्थापना/4074--परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक,
नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना स्थित ऋय एवं भंडार
निदेशालय के भंडार यूनिट के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक
(भंडार) तथा स्थानापन्न भंडारी श्री राम प्रवतार गुप्ता
को, सहायक भंडार अधिकारी श्री बी० डी० कंडपाल,
जिन्हें भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है,
के स्थान पर उसी निदेशालय में 7 फरवरी, 1976 के
प्रपराह्न से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000-40-1200 के बेतनमान में नदर्थ श्राधार पर सहायक
भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ प्रशासन भ्रधिकारी

मद्रास परमाणु विश्वत् परियोजना कलपस्कम-603102, विनांक 23 मार्च 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/9(1)/76 (म्रार०)—भाभा परमाणु स्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी माशुलिपिक तथा मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना के मस्थायी मधीक्षक श्री रामा सुम्रत्याण को 8 मार्च, 1976 के पूर्वाह्न से भगले भादेश तक मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना में भ्रस्थायी रूप से तदर्थ भाधार पर सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त किया जाता है।

के० बालाकुष्णन, प्रणासन-प्रधिकारी कृते निदेशक, विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग पर्यटन स्रोर नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 21 ग्रप्रैल 1976

सं० ई० (1)04261—वेधणालाम्रों के महानिदेशकः, वेधणालाम्रों के उप-महानिदेशकः (जलवायु विज्ञान ग्रौर भू-भौतिकी), पूना, के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री बी० गोपीनाथ राव को 1-4-76 के पूर्वाह्न से, 28-6-76 तकः नवासी दिन की ग्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गोपीनाथ राव, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाग्रों के उप-महानिदेशक, (जलवायु विज्ञान ग्रीर भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

विनांक 22 ग्रप्रैल 1976

सं० ई० (1)07061—विधणालाभों के महानिवेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के ग्रधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में व्यावसायिक सहायक श्री एस० रंगाराजन जिन्हें इस विभाग की ग्रधिसूचना सं० ई० (1)07061, दिनांक 5-2-76 ब्रारा 15-2-76 तक स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था, को 16-2-76 के पूर्वाह्म से 3-3-76 तक 17 दिन की ग्रविध के लिए स्थानापन्न मौसम विशेषज्ञ के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री रंगाराजन, स्थानापन्न सहायक, मौसम त्रिशेषज्ञ प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के श्रधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेंद्रम में तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1)03705——िनदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के कार्यालय में सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० सी० मजूमदार निवर्तन की ब्रायु पर पहुंचने पर 31 जनवरी 1976 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> जी० श्रार० गुप्ता, मौसम विशेषज्ञ कृते वेश्रशालाक्षों के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० ए० 23022/1/75 ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली के कार्यालय के श्रीपी० एन० महाजन, स्थायी प्रशास-निक ग्रिधकारी ने निवर्तन भ्रायु प्राप्त कर लेने पर 31-3-76 (भ्रपराह्म) से भ्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया हैं भौर सेवा निवृक्त हो गए हैं।

> हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 श्रप्रैल 1976

सं० ए० 32013/6/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने सर्वश्री के पी० वी० मेनन, वी० ग्रार० विश्वनाथन ग्रीर एस० सी० जोशी को 2 मार्च, 1976 से श्रगले ग्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित श्राधार पर विमानक्षेत्र ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 15 भ्रप्रैल 1976

सं० ए० 12034/4/76-ई० ए०—श्री एच० एन० पांडे, बरिष्ठ विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी, सिविल विमानक्षेत्र, लखनऊ निवर्तन श्रायु के हो जाने पर 31 मार्च, 1976 श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली-110022, दिनौंक 15 अप्रैल 1976

सं० ए० 32013/10/75-ई० एच० (I)—-राष्ट्रपति ने श्री एस० वैंकास्वामी की नागर विमानन विभाग में निदेशक उपस्कर के पद पर की गई तदर्थ पदोन्नति की श्रवधि 31 प्रगस्त, 1976 तक या पव के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

सं० ए० 32013/10/75-ई० एच०(II)— राष्ट्रपति ने श्री एस० मुखोपाध्याय की नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक उपस्कर के पद पर की गई तदर्थ पवोन्नति की भविध भी 31 भ्रगस्त, 1976 तक या पद के नियमित भ्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 श्रप्रैल 1976

सं० कं० 19012/574/76-प्रणा० पांच—ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भ्रायोग एतद्द्वारा श्री श्रार० सी० भ्रग्रवाल को केन्द्रीय जल भ्रायोग में भ्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक भ्रभियंता/सहायक श्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरी) के पद क्रम में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में 20-2-1976 के भ्रपराह्म से पूर्णतः ग्रस्थाई तथा तद्दर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री श्रार० सी० श्रग्रवाल ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय मृदा तथा सामग्री श्रनुसंधानशाला केन्द्रीय जल श्रायोग, नई दिल्ली में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रम्यंता/सहायक श्रनुसंधान श्रिधकारी (इंजीनियरी) का पव भार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 21 श्रप्रैल 1976

सं० 14/238/62-प्रणा०—पांच (खंड-चार) ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्रपने प्रसाद से श्री कीमत राय इसरानी का श्रतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल श्रायोग के पद का इस्तीफा दिनांक 16-3-76 के श्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

जसवंत सिंह, ग्रवर सचिव कृते ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल भायोग

विधि, न्याय भौर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी मिश्वनियम, 1956 भीर रोशीनी हायर परचेजिंग कम्पनी एन्ड चिटफन्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

जयपुर, दिनांक 21 श्रप्रैल 1976

मं० सांख्यिकीय /1477—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतद्ब्रारा यह सूचना दी जाती है कि कि रोशीनी हायर परचेजिंग कम्पनी एण्ड चिटफन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर श्री गंगानगर जनरल एक्सचेन्ज लिमिटेड के विषय में

जयपुर, धिनांक 21 भ्रप्रैल 1976

सं० सांख्यिकी/1343—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्क्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गंगानगर जनरल एक्सचेन्ज लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

रामदयाल कुरील, कम्पनियों के रजिस्ट्रार राजस्थान, जयपुर

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 एवं बैंक श्राफ नागपुर लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 21 श्रप्रैल 1976

सं० 72089/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक आफ नागपुर लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है। कम्पनी श्रिधिनियम 1956 एवं सातारा स्वदेशी कमिशयल बैंक लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 21 अप्रैल 1976

सं० 259/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सातारा स्वदेशी कर्माशयल बैंक लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० नारायणन, कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

कार्यालय आयकर आयुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 8 म्रप्रैल 1976

श्द्धि-पत्न

सं० प्रधा० राज० 184-4/75(1)—इस कार्यालय के दि० 10 मार्च, 1976 की श्रिधिसूचना में अम सं० 1 पर दिशत "एम० पी० मेहावाला, निरीक्षक, केन्द्रीय, बम्बई-29-9-75 (ग्रपराह्म) के स्थान पर कृपया "एम० पी० मेहवाला, निरीक्षक, केन्द्रीय, बम्बई 29-9-75 (पूर्वाह्म)" पढ़ें।

वी० रामास्वामी ऋथ्यर, श्रायकर श्रायुक्त बम्बई नगर-1, बम्बई

संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (प्रायकर)

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1976

फा० सं० 9/808/74-सं० व० प्र० से० नि०/5742—श्री शंकर गुप्ता, सहायक निदेशक (ई० श्राई० पी०) रिजस्ट्रार जनरल का कार्यालय भारत गृह मंत्रालय नई-दिल्ली में रिजस्ट्रार जनरल के कार्यालय से ग्रपने स्थानान्तरण होने पर

संगठन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (ग्रायकर) नई दिल्ली में दिनांक 15-3-1976 के (पूर्वाह्म) से सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाला।

> एच० डी० बहल, निदेशक संगटन एवं प्रबंधक सेवा निदेशालय (आयकर)

कार्यालय ग्राय-कर ग्रपील प्रधिकरण,

बम्बई

बम्बई-400020, दिनांक 19 श्रप्रैल 1976

आरेश

सं० एफ० 48-ए०डी० (ए०टी०)/76-- श्री जी० एस० गेटे, सहायक श्रधीक्षक, श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण, बम्बई जिनका सहायक पंजीकार, श्रायकर श्रपील श्रधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर के रूप में नियक्ति श्रादेश श्रगले श्रादेश होने तक श्रास्थिगित रखा गया था, देखिए I मेरा श्रादेश सं० एफ o 48-ए० डी० (ए० टी०)/75 पी० दिनांक 1-11-1975, को प्रोन्नति यथांश में नियमित श्राधार पर स्राय-कर श्रपील स्रधिकरण, बंगलौर न्यायपीठ, बंगलौर में सहायक पंजीकार के पद पर उस दिन से जिस दिन से वे कार्यभार ग्रहण करते हैं, स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। वे सहायक अधीक्षक, श्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई के पदभार से दिनांक 30-4-1976 (श्रपराह्म) से मुक्त हो जाएंगे श्रीर नियमानुसार सामान्य कार्यारम्भ-काल का उपयोग करते हुए अपने कार्यालय का कार्यभार सहायक पंजीकार, श्राय-कर श्रपील श्रधिकरण बंगलौर न्यायपीठ, बंगलीर के रूप में ग्रहण करेंगे।

2. श्री जी० एस० शेटे उस दिन से जिस दिन से वे श्राय-कर श्रपील ग्रधिकरण बंगलौर में सहायक पंजीकार के रूप में कार्यभार ग्रहण करते हैं, दो वर्षों के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

> हरनाम शंकर, भ्रध्यक्ष

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1976

निर्देश सं० थ्र० ६० स० 3/849/तितम्बर, 75—— प्रतः मुझे श्रार० जी ० नेरूरकर

म्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से भ्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० १ हि० सं० 2 (ग्रंश) श्रीर सिटी सर्वे सं० 36 है, जो गोरेगांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री निर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सब-रिजस्ट्रीर का कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 3-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरिक (श्रन्तरिकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः ग्रव 'उनत ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मै, 'उनत ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखिल व्यक्तियों, ग्रथित्:—— 2—86GI/76 जे ० डी ० एण्ड कंपनो, बा ० लि मिटेड म्नलाइस बिल्डिंग, डा ० डी ० एन रोड़, फोर्ट, बंबई-1

(ग्रन्तरक)

2. ग्रंकमे मेटल इण्डस्ट्रीज प्रा० लि० स्वामी विवेकानंद रोड, गोरेगांव (पश्चिम) बम्बई-62 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- ं (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी**ख से**45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बंबई नगर श्रोर बंबई उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले श्रोर उप-जिले में गोरेगांव प्राप्त में स्थित एवं अवस्थित जमीन अथवा मैदान का बहु तमाम भाग जितामा अर्वेक्षण संख्या 9, हिस्सा सं० 2 पार्ट है ऋौर गोरेगांव गाम की सीटी तर्वेक्षण सं० 36 है, जो कि माप में 3733 वर्रगज अर्थात् 3122.43 वर्ग गीटर या उसके समकक्ष है, लाज के मुताबिक उत्तरा क्षेत्रफल 3997 वर्गगज था, जिसमें से 262 वर्गगज स्वामी जिने हानंद रोड के सेट बैंक के लिए राशन ले लिया गया था, इसकी सोकाएं इस प्रकार ग्राबख है कि पश्चिम में प्रथवा पश्चिम की ब्रोर स्वामी विवेशनंद रोड है, पूर्व में ग्रथवा पूर्व की ग्रोर नाला है, दक्षिण में ग्रथवा दक्षिण की ग्रोर भूमि है, जित्तका धर्वेक्षण संख्या 9, गोरेगांव ग्राम का हिस्सा नं 2 पार्ट है, तथा यह विकेता से संबंधित है और इसे आर०बी० गानबाग तथा भ्रन्य को किराया पर दिया हुआ है, और उत्तर में भ्रथवा उत्तर की ग्रोर जमीन है जित्रहा सर्वेक्षण सं० 9, हिस्सा नं० 2 पार्ट है, भ्रौर पह श्रो बायुताल दिपवंद कोठारी को किराया पर दिया गया है, और इसके साथ अनुबद्ध प्तान में इसे दिखाया गया है, श्रीर इसे जान पाही को बाउन्डरी लाइः (ोमा रेखा) से घिरा हम्रादिखाया गया है।

> म्नार०जी०नेहरकर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बंबई

त रोख: 3 मई 1976

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं० जे० जी०ग्रार०/1847/75-76/—श्रतः मुझं विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० 25 कनाल 6 मरले भूमि है तथा जो गांध कमाल-पुरा तहसील जगरायों में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जगरायों में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास क्षरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, 'उक्त आधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रद्मीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

 श्री जोगिन्दर सिंह, पुत्र श्री जमीत सिंह निवासी गांव कमालपुरा, तहसील जगरायों ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमित करतार कौर, विधवा श्री जमीत सिंह निवासी गांव कमालपुरा, तहसील जगरायों ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

ह्मब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 कनाल 6 मरले भूमि जोकि गांव कमालपुरा, तहसील जगरायों, जिला लुधियाना में स्थित है।

खातानं० 458/511

89

जमाबन्दी साल 1971-72

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं ० 2740 ग्रगस्त 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जगरायों के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 11-5-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

1. मैं टायर लैंड आफ इण्डिया, गांव रसोई, जिला सोनीपक्ष ।

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, चण्डीगह

घण्डीगढ़, दिनांक 12 मई 1976

निदेश सं० एस० एन० पी०/1846/75-76/--- प्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत शिधिनियम' कहा गया है), की धारा सक्षम प्राधिकारी 269-घ के अधीन विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रुपये से भौर जिसकी सं०भूमि है तथा जो गांव रसोई, जिला सोनीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, भ्रगस्त, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझंयह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रक्षिप का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्सरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखित उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः द्यव उक्त द्यधिनियम की धारा 269-गके मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ध की उपघारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:---

2. मैं असबरो एण्ड कंम्पनी दिल्ली (रजिस्टर्ड) गांव रसोई, जिला सोनीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भृमि जिस का खसरा नं० 5 25 5-16 7-12

गांव रसोई, जिला सोनीपत (जैसे कि रजिस्ट्रीफ़ृत के विलेख नं० 1869 ग्रगस्त, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सोनीपत के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ ।

तारीख: 12-5-1976

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

156, सैंक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 11 मई 1976

मायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से ग्राधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 24, है तथा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, भगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित

वाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके

दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) स्त्रौर

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्रीमति कृष्णा कुमारी पत्नी श्री कैलाश चन्द,
 - (2) श्रीमित संतोश कुमारी, पत्नी श्री मोहिन्द्र पाल, 66-न्यू माडल टाऊन, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रमेंजीत सिंह, पुन्न श्री अवतार सिंह, नं० 73, मन्ना सिंह कलोनी माडल ग्राम, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- — समें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 24 जोकि पखोवाल सड़क भ्रौर माडल ग्राम सड़क को मिलाने वाली सड़क पर स्थित है ।

जिस का खसरा नं० 75/15/11, खाता नं० 1411/1512, है जमाबंदी साल 1970-71।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4563 प्रगस्त, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है ।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 11 मई, 1976

प्ररूप ग्राई० टी०एन०एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ़ दिनांक 11, मई 1976

निदेश सं० एल०डी०एच०/सी०/381/75-76/—-श्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से भ्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० ½ भाग कोठी /नं०B-X(X/433/9 है तथा जो सिवल लाईन, बसंत रोड, लुधियाना में स्थित है (ग्रांर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ग्रगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

भत:, भव, उक्त स्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रतुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रधीत्:--- 1. श्रीमित इन्द्रा देवी, पत्नी श्री तिलक राज, बसंत रोड, सिवल लाईनज, लुधियाना ।

(भन्तरक)

2. श्री सतपाल, पुत्र श्री मुनी लाल, मकान नं० बी०-B-X:X/433/9, बसंत रोड सिवल लाईनज लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण--इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राधिनयम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची े

 $\frac{1}{2}$ भाग कोठी नं० बी०-B-XIX/433/9, बसंत रोड, सिवल लाईनज, लुधिमाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4592 ग्रगस्त, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 11मई, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी चण्डीगढ, दिनांक 11 मई 1976

निदेश सं पी०टी०ए०/1152/75-76/--- यतः विवेक प्रकाश मिनोचा ग्रायकर श्रधिनियस, 1961 (1961 কা 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उबत श्रिक्टियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रु० से अधिक हैं भौर जिसकी सं० मकान नं० 70-डी है तथा जो माडल टाऊन पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगस्त, 1975 को पृथोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने काकारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से ध्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, 'उक्त भ्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रयांत्:- श्रीमती हरपाल कौर, पत्नी श्री सुखदेव सिंह, निवासी माडल टाऊन, पटियाला ।

(भ्रन्सरक)

 श्रीमित सुरजीत कौर पत्नी श्री भगवान सिंह निवासी सेह (लुधियाना) श्राजकल मकान नं० 70-डी, माडल टाऊन, पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदा किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों को, जो 'उन्त अधिनियम', के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाषित है, वही घर्ष होगा, जी उस ग्रध्याय में दिया गया है।

क्षनुसूची

मकान नं० 70-डी, माडल टाऊन, पटियाला । (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 2440 धगस्त 1975 में रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी पटियाला के कार्यालय में लिखा है)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 11 म**ई**, 1976

मोहर ;

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 22 ग्रप्रैल 1976

निवेश सं० 1553, — श्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार धायकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ध्रधिक है भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बूट गांव तहसील जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, भ्रगस्त 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः घव उक्त भविनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यात्:---

 श्री किशन सिंह व बिशन सिंह सपुत्र
 श्री लाभ सिंह सपुत्र श्री माहली राम निवासी बूट तहसील जालन्धर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री जगत राम सपुत्र श्री बूरा सपुत्र श्री रक्ष्या राम गांव मुड तहसील नकोदर मार्फत श्री किशन चन्द सपुत्र श्री नथूराम निवासी बस्ती बाबा खेल जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 5117 ग्रगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 22-4-1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज जालन्धर

जालंधर, दिनांक 22 अप्रैल 1976

निदेश नं० 1554—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/— रुप्ये से ग्रिधिक है और जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में है तथा जो कोट राम दास जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों' को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री राज गोपाल, सुपुत्र श्री रामजी दास निवासी विक्रम पुरा जालन्धर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री बन्सी लाल सुपुत्र श्री राम लाल डब्ल्यू० एफ० 145 श्राली मोहल्ला जालन्धर । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अ**जंन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुवंत शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5373 ग्रगस्त 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रथिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 22-4-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली-1 4/14, क, भ्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/ 1/एस०ग्रार०III/सैप्टम्बर/ (52)/75-76—म्प्रतः, मुझे, एस० सी० पारीजा भायकर प्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० सी-178 है तथा जो डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा, के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित ध्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री त्रिलोक नाथ ग्रोवर पुत्र श्री हवेली राय निवासी 34/32 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जो कि जनरल श्रटानी मैं के नारंग श्रोवरसीज प्रा० लि०, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

ें 2. मैं० लाल्स कोप्पर **एण्ड ब्रा**स पैलेस 1009 चावरी बाजार, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

3. श्री के० एम० साहनी निवासी सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली (ग्राउन्ड फ्लोर) (2) श्री तेनजिंग लोट, सी-178 डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

> (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

4. मैं नारंग भ्रोवरसीज (प्रा॰) लि॰ 17 सुन्दर नगर मार्कीट, नई दिल्ली

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में घ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्च होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 श्रविभाजित भाग ढ़ाई मंजिली जायदाद का जिसका नं० सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गंज है जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

उत्तर: जायदाद नं० 177

दक्षिण : जायदाद न० 179 पूर्व : सर्विस लैन

पश्चिम : सङ्क

एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख:15-5-1976

मोहर:

3-86 GI/76

प्रस्प भाई० टी० एन० एस०-----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली-1 4/14क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एसयु/1/एस० श्रार० III/969/श्रवटू०
1/(5)/75-76—श्रतः, मुझे, एस० सी० पारीजा
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मृल्य 25,000/- ठ० से श्रधिक है
श्रौर जिसकी सं० सी-178 है तथा जो डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (10908 का 16) के श्रधीन,
तारीख 8-10-1975 को

ताराख 8-10-1975 का
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है गौर मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिक्ष है गौर ग्रन्तरक
(ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे
ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धानयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—-

1. श्री तिलोक नाथ ग्रोवर पुत्र श्री हवेली राय निवासी 34/32 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली जो कि जनरल श्रटानी मै० नारंग ग्रोवरसीज प्रा० लि०, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

 मै० लाल्स कोप्पर एंड क्रांस पैलेस 1009 चावरी बाजार, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

3. श्री के० एन० साहनी निवासी सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली (ग्राऊन्ड फ्लोर) (2) श्री तेनर्जिंग लोट, सी-178 डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में संपत्ति है)

4. मैं० नारंग म्रोबरसीज (प्रा०) लि० 17 सुन्दर नगर मार्कीट, नई विल्ली

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवश्च किसी झम्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

सनुसूची

1/4 अविभाजित भाग ढ़ाई मंजिली जायदाद का जिसका नं सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है:

उस्तर: जायदाद नं० 177 दक्षिण: जायदाद नं० 179

पूर्व । सर्विस सैन पश्चिम : सड़क

> एस० सी० पारीज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-1976

प्ररूप धाई० टी०एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1. दिल्ली-1 4/14क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/1/एस०ग्रार० III/ सैप्टम्बर/(33)/75-76/--- ग्रतः, मुझे, एस० सी० पारीजा म्रायकर मधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० सी-178 है तथा जो डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 17-9-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन, कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मब उपत मधिनियम, की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त श्रविनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:-

1. श्री क्षिलोक नाथ ग्रोवर पुत्र श्री हवेली राम निवासी 34/32 बैस्ट पटेंल नगर, नई दिल्ली जो कि जनरल भ्रटानी मैं० नारंग घोवरसीज प्रा० लि०, सुन्दर नगर, नई दिल्ली

(प्रन्तरक)

2. मैं ० लाल्स कोप्पर एंड ब्रास पैलेस 1009 चावरी बाजार, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

3. श्री कें ० एन ० साहनी निवासी सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली (ग्राऊन्ड फ्लोर) (2) श्री तेनिजिंग लोट सी-178 डीफेन्स कालोनी, नई दिल्ली

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

4. मै० नारंग स्रोवरसीज (प्रा०) लि० 17, सुन्दर नगर मार्कीट, नई दिल्ली

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जाता है कि वह संपत्ति में हितबस है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तसम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20季 परिभाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस ष्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 श्रविभाजित भाग ढ़ाई मंजिली जायदाद का जिसका नं० सी-178 डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली में है तथा जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है जो कि निम्न प्रकार से घिरी हुई है :--

उत्तर: जायदाद नं० 177 दक्षिण: जायदाद नं० 179

पूर्व: सर्विस लैन

पश्चिमः सड़क

एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंजााा दिल्ली-1
14/4 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्युIII/एस०ग्रार०-11/सितम्बर/ श्रायकर घधिनियम, 1961 (1961 軒 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 2 बीगा तथा 8 बिसवा है तथा जो दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 3-9-1975 को सम्पत्ति के उचितवाजार मुख्य से कम के दृश्यमान रजिस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार लिए भन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपशारा (1) के ध्रधान निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :-- 1. श्री कैलाश (नाबालिग) तथा दनेश (नाबालिग) सुपुत्र श्री देवी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली। इनके प्राकृतिक संरक्षक श्री० देवी सहाय जीन्दल, सुपुत्र श्री० नट राम जीन्दल के बारा।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती राम देवी जीन्दल, पत्नी श्री० देवी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पेष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 वीगा तथा 8 बिसवा है, खसरा नं० 29/6 है, दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है।

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-76

अङ्प प्राई०टी०एन०एस०-----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एकगु०।।।/एस०ग्रार०-॥/ सितबंर/--श्रतः मुझे, एस० सी० पारीजा भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से भ्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 2 बीगा तथा 8 बिसवा है तथा जो दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची भें पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 16) के ग्रधीन, तारीख 12-9-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर झिंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर झिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवति :--- 1. श्री ग्रनिल कुमार (नाबालिग) तथा ग्रारबिन्द कुमार (नाबालिग), सुपुत श्री देवी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली-1 इनके प्राकृतिक संरक्षक श्री देवी सहाय जीन्दल, सुपुत्र श्री नट राम जीन्दल के द्वारा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमित राम देवी जीन्दल, पत्नीं श्री देवी सहाय जीन्दल, निवासी 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध फिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 विशा 8 विसवा है, खसरा नं० 29/6 है, दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है।

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-76

प्ररूप श्राई • टी • एन • एस •--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, विल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई 1976

निर्वेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/III/एस०श्रार०-II/सितवंर/
1019(16)/75-76/—श्रतः मुझे, एस० सी० पारीजा
ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मृत्य 25,000/- ठ० से ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी सं० भूमि का क्षेत्रफल 2585 वर्ग गज, खसरा मं०
29/15, दाबरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली है तथा जो दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन,
तारीख 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-च की उपश्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :— 1. मै० जीन्दल इन्ड्स्ट्रीस लि०, 15/1, श्रासफ श्रली रोड नई दिल्ली-1 दिल्ली गांच के मैनेजर श्री बर्सत कुमार के द्वारा (श्रन्तरक)

2. श्रीमती राम देवी जीन्दल, पत्नी श्री० देवी सहाय जीन्दल, 1/77, पंजाबी बाग, दिल्ली-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2585 वर्ग गज है, श्रीर प्लाट नं० 8 तथा 9 है, खसरा नं० 29/15, दावरी गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: ग्रन्य भूमि पश्चिम: प्लाट नं० 10 उत्तर: प्लाट नं० 15

दक्षिण: प्लाट नं० 6 तथा 7

एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-5-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० भाई०ए०सी०/एक्य्०/IIIस ० भ्रार०-II/ सितश्रंर/1013/(10)/75-76/--श्रत: मुझे, एस० सी० पारीजा मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है और जिसकी सं० मुस्तातील नं० 3 तथा 37 है तथा जो सारंगपुर दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 17-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्सरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या श्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातृ:—— 1. श्री कन्हया सुपुत्र श्री० राम चन्द, निवासी सारंगपुर दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री रामकाला, रामफल, करन सिंह, भरम प्रकाश, सभी सुपुत्र श्री • जग लाल, निवासी गालीबपुर गांव, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषी भूमि जिसका क्षेत्रफल 21 बीगा तथा 11 बिसवा है, मुस्तातील नं० 37, किला नं० 4(2-12), 5/2(2-3), 6(3-) तथा मुस्तातील नं० 36, किला नं० 2/2, (2-0), 8/2(1-17), 9(5-4), 10(4-4) 13/1(0-8) है, जोकि सारंगपुर गांव के क्षेत्र में स्थित है।

एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**खा** :15**-**5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17मई 1976

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्य०/III/एस० श्रार०-III/ सितबंर/410(5)/75-76/~-श्रतः मुझे, एस० सी० पारीजा आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 50, ब्लाक 6ए० का 1/4 श्रविभाजित भाग, ड्राल्य ई० ए०, है तथा जो करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-9-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है शौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) धौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः—

1. श्री इन्द्र सिंह, सुपुत्त श्री० निहाल सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-1, श्रीमती हरजीत कौर के लिए जरनल एटारनी, पत्नी श्री० ग्रमर सिंह, सुपुत्री श्री० राम सिंह।

(भ्रन्तरक)

2. श्री किशन सिंह, सुपुत्र श्री० सौदागर मल, निवासी 5-ए०/170, सत नगर, करौल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

3. श्री एस० सेन (2) नील कठन (3) एम० डी० बौधरी, निवासी 6ए०/50, डब्लूय ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढ़ाई मंजिला मकान का 1/4 ग्रविभाजित भाग जो कि 162 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका जिसका मुन्यसिपल नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 50, बलाक नं० 6ए० है, डालूय ई० ए०, करील बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 6ए/51 पश्चिम : प्लाट नं० 6ए/49

उत्तर : रोड़ दक्षिण : स्ट्रीट

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

सारीख: 17-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० ग्रार०-III सितम्बर/411(6)/75-76 — श्रतः मृझे, एस० सी० पारीजा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 50, ब्लाक नं० 6ए० का 1/4 भाग, है तथा जो डब्लू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—86 G1/76

 श्री ग्रमर सिंह, सुपुत्र श्री० इन्द्र सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, नरौल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रशोक कुमार, सुपुत्र श्री० किशन सिंह, निवासी 6-ए०/68, डब्लू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

3. सर्वश्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी० चौधरी सभी निवासी 6ए०/50, डब्लूय ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली-1 (वह व्यन्ति जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के</mark> लिए कार्यकाहियां वरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढ़ाई मंजिला सकान का 1/4 श्रविभाजित भाग जिसका मुन्यसिपल नं० 11101, वार्ड नं० 16 है, जोकि 162 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट नं० 50, ब्लाक नं० 6-ए० पर, डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:-

पूर्व : प्लाट नं० 6ए०/51 पश्चिम: प्लाट नं० 6ए०/49

उत्तर : रोड़ दक्षिण : स्ट्रीट

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-गा, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 76

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यु०/III/एस० ग्रार III/ सितम्बर/412(7)/75-76/—श्रतः, मृझे, एस० सी० पारीजा. मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त भ्रिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ए० से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 50, ब्लाक नं० 6ए का 1/4 भाग, डब्ल्य ई० ए०, है तथा जो करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) धौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब 'उपत ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- श्री श्रमर सिंह, सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली (श्रन्सरक)
- 2. श्री मोहन सिंह, सुपुत्र श्री किशन सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली लेकिन श्रब 6-ए/68, डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिसी)
- 3. सर्वंश्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी० चौधरी सभी निवासी 6ए/50, डब्ट्यू ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45. दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रवाधन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक दाई मंजिला मकान का 1/4 प्रविभाजित भाग जिसका नं 11101, बार्ड नं 16, प्लाट नं 50, ब्लाक नं 6ए है, श्रीर क्षेत्रफल 162 वर्ग गज है, डब्स्यू ई० ए०, करौल बाग, नई विल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 6ए/51 पश्चिम : प्लाट नं० 6ए/49

उत्तर : रोड़ दक्षिण : स्ट्रीट

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज III दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/Ш/एस० श्रार०-111

सितम्बर/409(4)/75-76--श्रतः, मुझे, एस० सी० पारीजा, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 কা 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० जायदाद नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 50, ब्लाक नं० 6ए०, $\frac{1}{4}$ अविभाजित भाग/डब्ल्यू ई० ए०, करौल बाग है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (फ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-9-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के िलए ग्रन्तरित की गई है करने का कारण है कि मीर मुझे यह विख्यास यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त प्रधि-नियम' के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित :--

- 1. श्री इन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री० निहाल सिंह, निवासी 4351, गली नं० 58, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली-1 श्रीमती हरजीत कौर के लिए जरनल एटारनी, पत्नी श्री श्रमर सिंह, सुपुत्री श्री राम सिंह। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा रानी बनाम पुष्पा देवी, पत्नी श्री किशन सिंह, निवासी 5-ए/170, करौल वाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
- 3. सर्वश्री एस० सेन (2) नील कंठन (3) एम० डी० चौधरी, निवासी 6ए/50, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त मन्दों श्रौर पद्यों का, जो उस्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रष्ट होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक ढ़ाई मंजिला मकान का 1/4 श्रविभाजित भाग जोकि 162 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना दृश्रा है, जिसका म्युनिसिपल नं० 11101, वार्ड नं० 16, प्लाट नं० 50, ब्लाक नं० 6ए है, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:~

पूर्व : प्लाट नं० 6ए/51 पश्चिम : प्लाट नं० 6ए/49

उत्तर : रोड दक्षिण : स्ट्रीट

> एस० सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-5-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धाय्क्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एवयू०/III/एस०श्रार०-111/ नवम्बर/457(12)/75-76-श्रतः, मुझे, एस० सी० पारीजा, घ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० 2218 है तथा जो चूना मण्डी, पहाड्गंज, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित

मही किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी आयु या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

- मैंसर्स माडर्न मणान्स प्रा० लि०,
 2217, चूना मण्डी, पहाड्गंज, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्राशा ओबराए, पत्नी श्री श्राई० एल० श्रोबराए
 त, साउथ एवेन्यू, महारानी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)
- मैं० ईकनोमिक ट्रान्सपोर्ट श्रौरगनाईजेशन,
 2218, चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली ।
 (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में काशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियीं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किय जासकेंगे।

स्पट्टीकरण— इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 357 वर्ग गज है, श्रीर सं० 2218, ज्यूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में है, जिसमें दो कमरे तथा एक टीन शैंड भी है, निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : राज गुरू रोड

पश्चिम : श्री कन्हैया लाल जैन की जायदाद

उत्तर : गली नं० १ (चूना मण्डी)

दक्षिण : गली नं० 10 (चूना मण्डी)

एस सी० पारीजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, नई दिल्ली-1

दिनांक : 17-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा ू 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 अप्रैल 1976

निर्देश सं० VII/1/37(सित०)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की धारा 269-ख के द्रधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

25,000/- रु० से प्रधिक है
श्रोर जिसकी सं० टी० एस० 421/31, 421/31ए श्रोर 421/
31बी है, जो श्रोल्ड दारापुरम रोड, पलनी में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
श्रिधिकारी के कार्यालय, पलनी (पत्न सं० 1187/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन
सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के अधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :—

- 1. श्री ग्रार० सौरिराजुलु चेहियार श्रौर श्रादि। (श्रन्तरक)
- 2. पी० सी० कन्नु, पान्डीय पिल्लै, राजामनी श्रौर पन्चा-टचरम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्मल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 हिन के भंतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्धः
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधाहस्ताक्षरी के पास
 किखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इस्में प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

पलनी स्रोल्ड दारापुरम रोड टी० एस० सं० 421/32 बी०, 421/32 ए स्रौर 421/31, डोर सं० 31, 31 ए०, 31 बी०, 31 सी०, 31 टी०, 31 ई०, 31 एफ० में 22041 स्क्वेयर फीट की भूमि स्रोर मकान (सामी थियेटर)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 1 श्रप्रैल 1976

प्रकप पाई० टी० एन० एस०---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेंन रेंज-1, मबास भद्रास,दिनांक 5 अर्प्रैल, 1976

निर्देश सं० XIX/10/62 (सित०)/75-76——यतः मुझे, जी० रामनाथन

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्र से म्रिधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 1406/2, पनगुडी गांव है, जो पनगुडी में स्थित है (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पनगुडी (पन्न सं० 1755/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर, 1975

को विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह्
प्रतिशत से श्रीधक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरको) भौर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में
वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री पी० सोमसुन्दरम, प्लाट सं० 117, श्रमा नगर, भद्रास-60। (श्रन्तरक)
 - 2. श्री ग्रार० करुनानिधि, पनगुडी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के <mark>ग्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त ध्रधिनियम, के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

तिरुनेलवेली जिला, पनगुडी वार्ड IV, डोर सं॰ 203, 204 धरौर 205 सर्वे सं॰ 1406/2 में $39 \frac{9}{4}$ सेन्ट की भूमि (मकान के साथ)।

चौ० रामनायम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज∼1, मद्रास

तारीख: 5-4-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

नई दिल्ली, दिनांक 27 ग्राप्रैल, 1976

निर्देश सं० XXI/12/94 (सित०)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भ्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 17 है, जो चेट्टी स्ट्रीट तिस्पत्र में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, तिस्पत्तर (पत्न सं० 3375/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के धिधीन सितम्बर, 1975 को

पूबोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा विश्वास सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (■) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयिक्तियों अर्थात्:--

- श्री टी० ए० लाता चेट्टियार श्रौर श्रादि। (ध्रन्तरक)
- 2. नगरतु वैसयरगल संगम, तिरुपत्तूर (भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बधी व्यवितयो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पः टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपतूर, चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 17 में 5603 स्क्वेयर फीट की भूमि ग्रौर मकान में एक भाग।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक, भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 27-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन● एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राप्त, दिनां रु 27 अर्थेल 1976

निर्देश सं० XXI/12/95 (सित०)/75—यतः मुझे, जी० रामनाथन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 17 है, जो चेट्टी स्ट्रीट मैं स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, तिरुपत्तूर (पत्न सं० 3376/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1975 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तित्त की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित:— श्री टी॰ ए॰ ताता चेट्टीयार श्रौर श्रादि। (श्रन्तरक)

2. श्री नगरतु वैसयरगल संगम, तिरूपत्तूर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुवत शब्दों ग्रीर पदों का, जो उबस श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुपत्तूर चेट्टी स्ट्रीट डोर सं० 17 में 5603 स्ववेयर फीट की भूमि श्रौर मकान में एक भाग।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक, घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 27-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 श्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० $X^{T}[/14/63, 66 श्रौर 65 (सित०)/75-76—- यतः मुझे जी० रामनाथन$

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 146/2 है, जो पालयमचेट्टी

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 146/2 है, जो पालयमचेट्टी कुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पालयमकोट्टी (पन्न सं० 2676/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिएरजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे ध्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों ग्रार्थातः :--

5-86GI/76

- 1. श्री एस० एन० ग्रब्दुल कादर ग्रौर ग्रादि। (ग्रन्तरक)
- जयजोती श्रौर ग्रादि। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एततद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

तिरुनेलवेली जिला, पालयमचेट्टीकुलम गांव, श्रार० एस० सं० 146/2 में 58 सेन्ट की भूमि।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 21-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-**प**(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

महास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XVII/7/67 (सित०)/75-76--यतः, मुझे जी० रामनाथन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की भ्रारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे सं० 208 भीर 205 है, जो महुडनचावडी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, महुडनचावडी (पक्ष सं० 1139/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन 15-9-1975

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाई प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी प्राय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को निक्ष्टें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथति:—

- श्री रामसामि गऊन्डर ध्रौर वी० श्रार० मणी। (श्रन्तरक)
- श्री सेंगोंड गऊन्डर, वेल्लम्कलपट्टी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिष्ठ-नियम', के धड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सर्वे सं० 208 (3.06 एकड़) भीर 205 (0.89 एकड़) में 3.95 एकड़ की भूमि (पहा सं० 1139/75) रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी के कार्यालय, महुडनचावडी।

> जी० रामना**यन** सक्षम प्राधिका**री** सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-4-1976

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक भ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण),

ध्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 मप्रैल 1976

िर्देश पं X ✓ [[/7/63 (निर्चा०)/75-76--पंतः, मुझे, जी० रामनाथन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

मृह्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है और 205 है, जो महुडनचावडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, महुडनचावडी (पल्ल 1140/75) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 15-9-1975

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिपल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त प्रश्निनियम' की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नीतः—

- 1. श्री रामसामि गऊन्डर श्रौर वी० श्रार० मणी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री नटेसन, वेल्लव्कलपट्टी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपञ्ज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिक्षितयम' के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे सं० 208(3.06 एकड़) श्रौर 205(0.89 एकड़) में 3.95 एकड़ की भूमि (पद्म सं० 1140/75— रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महडनचावडी) ।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

लारीख : 29-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙---

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-ा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० XVII/13/72 (सितं०)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उबस श्रधितियम' कहा गया है), इसके पश्चात की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- रु० से अधिक है, भ्रौर निसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पहलीपालयम में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (पन्न सं० 1381/75) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-9-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह धिम्बास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रत: अब, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री एस० ए० नटेस गऊन्डर श्रौर श्रादि (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एस० गजलक्ष्मी, ई रोड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध। में कोई भी अक्षिप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अञ्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यव्हीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उबत अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयां है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम वार्ड 3, सर्वे सं० 316/5, में 1048। स्कूयर फीट की भूमि ।

> जीव रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-4-1976।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 श्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० XVII/13/73 (सित०)/75-76---यत: मुझे, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक भ्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्घा में ग्नीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुमारप लयम (पत्न सं० 1384/75) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908* का 16) के श्रधीन 16-9-1975 पर्वोक्त सम्पत्ति के को उभित बाजार **दृश्यमा**न प्रतिफल के लिए अन्तरित से कम के की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्ः—

- 1. श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर और श्रादि। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती सरस्वती, राजा स्ट्रीट, पल्लीपालयम। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न, में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसवर्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम, ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम, वार्ड 3, सर्वे सं० 316/5, में 10030 $\frac{1}{2}$ स्क्वेयर फीट की भूमि।

जी० रामना**थन** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 29 भ्रप्रैल 1976

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०--

ष्ट्रायकर क्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के क्रिधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-J, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं **XVII** 13/74 (सित ०)/75-76--यत:, मुझे, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 जी० रामनाथन, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ ह० से श्रिधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पल्लीपालयम में रियत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (पत्न सं० 1386/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 16-9-1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्ष्य सेकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का एकित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर गन्तरक (गन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भ्रान्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिश्वनियम', के ग्रिश्वन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उमत भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातु :—

- 1. श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर ग्रीर ग्रादि। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पी० संगमेश्वरन पोलीस स्टेशन रोड, पल्लीप लयम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उन्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम, सर्वे सं० 316/5 में 5724 स्क्वेयर फीट की भूमि।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1, मद्रास

विनांक 29-4-1976

प्ररूप भाई व्ही व्यन व्यस व----

धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के धिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-I, मन्नास

मद्रास, दिनांक 29 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० /13/75 (सितः०)/75-76—⊢यतः मुझे जी० रामनाथन

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पत्सि लपायम में रिष्टा है (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के नार्यालय कुमारपास्त्रम (पन्न सं० 1388/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रांतरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है धौर यह कि ध्रन्तरक (अन्तरकों) धौर ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत ध्रन्तरण लिखित में बान्ति क कर से निश्व कही विया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के घ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उपत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्षत ग्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन िम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर श्रीर श्रादि । (श्रन्तरक)
- 2. श्री पी० राजम चेही, पुदूर, पल्लीपालयम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशकरण: --इसमें प्रयुक्त मध्यों भौर पदों का, जो उक्त स्रधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अमृसुची

सेलम, पल्लीपालयम सर्वे सं० 316/5 में 5615 स्**क्वेयर** फीट की भूमि।

> र्जा० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 29 श्रप्रैल 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मदास, दिनांक 29 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० VXII/13/76 (सित०)/75-76—यतः मुझे,

श्वायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरे सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 316/5 है, जो पत्निः पालदम में रिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कुमारपालयम (पन्न सं० 1390/75) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 16-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब 'उन्त श्रिष्ठिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्त श्रिधिनियम' की धारा 269-न की उप-धारा (1) के श्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रश्तिः—

- श्री एस० ए० नटेश गऊन्डर श्रीर श्रादि। (श्रन्तरक)
- 2. श्री कें० कृष्णास्वामी चेट्टी, काट स्ट्रीट, भवानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कों।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में, विया गया है।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, पल्लीपालयम, सर्वे सं० 316/5 में 316/5 स्क्वेयर फीट की भूमि।

र्जीः० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

निर्देश सं० X/1/82 (सित०)/75 76—स्यतः, मुझे जी० रामनाथन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० 2209 है, जो पालम स्टेशन रोड, महुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पन्न सं० 2941/75) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है धीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न- जिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्स ग्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रंब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:— 6—86GI/76

- 1. श्रार० एम० ए० श्रार० ए० श्रार०, श्रार० एम० ट्रस्ट, देवकोई। (श्रन्तरक)
- 2. नर्गी। प्रेमजी पटेल, मनजी प्रेमजी पटेल श्रौर हीरालाल श्ररजन पटेल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुसुची

मदुरै, सेल्ल्र, पालम स्टेशन रोड, टी० एस० 2209 में 20 सेन्ट की खाली भ्मि।

> जीं ० रामानाथन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

निर्देश सं० X/1/83 (सित्त०)/75-76--यत: मुझे जी०

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1976

रामनाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० टी० एस० 2209 है, जो पालम स्टेशन रोड,
मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप

से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय, तल्लाकुलम

(पत्न सं० 2940/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—→

- 1. श्री श्रार० एम० ए० श्रार० ए० श्रार०, श्रार० एम० स्ट्रीट, देवकोट्टें (श्रन्तरक)
 - 2. श्री श्रार० कें० ए० गुस्स्वामि, चेट्टियार, महुरै। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तथ्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरैं, सेल्लूर, टी० एस० 2209, में 13 सेन्ट श्रौर 82 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि ।

जी ० रामनाथन {सक्षम प्राधिकारी .सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-^I, मद्रास

तारीख: 29-4-76

प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 मवास

मद्रास, दिनांक 29 भ्रप्रैल 1976

निर्देश सं० एकस/1/84 (सित०)/75-76—यतः मुझे,जी० रामनाथन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी ० एस ० 2209 है 'जो सेल्लूर, मदुरें में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पह्न सं० 2931/ 75 में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिश्चित्यम', के ग्रिग्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव 'उन्त ग्रिविनियम', की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, 'उन्त ग्रिविनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित स्थक्तियों, ग्रथति:---

- म्रार० एम० ए० स्नार० ए० स्नार० ट्रस्ट देवकोट्टे। (अन्तरक)
- 2. श्री नरणी प्रेमजी ग्रौर ग्रादि। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुवत शब्दों और पवों का, जो 'उक्त धिवियम', के घटयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

अतुसूची

मदुरै, सेल्लूर, टी ०एस ०सं० 2209 में, 15 सेन्ट की खाली भूमि।

> जी० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 29-4-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकः श्रायुक्त (निरीक्षण) π र्श्जन रंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 श्रप्रैल, 1976

निदेश सं० एक्स० बी० टू० म्राई०/13/70 (सित०)/ 75-76--यतः मुझे जी ० रामानाथन ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० है, जो समयसगिलि गांव में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कुमारपालयम (पत्न सं० 1352/75) में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11-9-1975 को को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत उक्त अधिमियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रर्थानु :---

1 पलिन गऊन्डर श्रौर झादि।

(भ्रन्तरक)

2. चिन्न गऊन्डर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समयसगिलि गांव सर्वे सं० 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 श्रीर 245/3 में 6 एकड़ की भूमि में 1/3 भाग।

जी ० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 28-4-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

1. श्री पलनि गऊन्डर ग्रौर ग्रादि।

(भन्तरक)

भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं 0 XVII /13/71 (सित 0)/75-76--- यत: मुझे, जी ० रामानाथन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जो समयस गिलि में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कुमार पालयम (पत्न सं० 1353/75) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-9-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिपत्न से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क्ष) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों श्रथीत:— 2. श्री चिन्न गऊन्डर

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—दसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

समयसगिलि गांव सर्वे सं० 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 और 245/3 में 6 एकड़ की भूमि में 1/3 भाग।

जी ० रामानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीखा: 28-4-1976

प्रदेष ग्राई०टी०एन०एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, भद्रास

मद्रास, दिनांक 27 ग्राप्रैल 1976

निर्देश सं · XII /10/52 (सित ·)/75-76---यतः मुझे, जी ० रामनाथन **प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जो सेरकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्री वैकुन्टम (पन्न सं० 2344/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्सरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचमे में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्सियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- 1. श्री नम्बी तेवर

(ग्रन्तरक)

2. श्री कृष्ण तेवर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में को ई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेरककुलम सर्वे सं० 713/2, 716/1 और 716/2 में $4.27\frac{1}{8}$ एकड़ की भूमि।

जी ० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) , श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 27-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रजैल 1976

निर्देश सं० XH/10/53 (सि०)/75-76—यतः मुझे, जी० रामनाथन ग्रायकर अधिनियम्, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से मिधिक है श्रीर जिसकी सं०

है, जो सेरक्कुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रीविकुन्टम (पत्न सं० 2345/75) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः धन, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथित:—— श्री नम्बी तेवर

(ग्रन्तरक)

2. श्री कृष्ण तेवर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेरक्कुलम, सर्वे सं० 714/2 भ्रौर 715/2 में 3.15 एकड़ की भूमि।

जी ० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेंज-I, मद्रास

तारीख: 27-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 27 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० IX/4/11 (सित०)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन, मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है और जिसकी सं० 79 है, जो श्राचारप्पन स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पन्न सं० 690/75) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 12-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्षने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब उक्त घिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त घिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः—

- 1. श्री आर० पान्डुरगन और पद्मावती भ्रम्माल (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बी० रामकृष्ण रेड्डी, मद्रास (ग्रन्तरिती)
- 3. सर्वश्री (1) टी० एस० जयगोपाल चेट्टीयार, (2) वलकम ट्रेडर्स, (3) वेलकम दाल मिल, (4) एस० पी० के० वी० लारी सर्विस, (5) वेंकटेण्वरा स्केल्स को०, (6) एन० रामदास, (7) वी० चन्द्रन, (8) टी० राजा चेट्टी, (9) पी० राधाकृष्णन, (10) एस० गोकुल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. मद्रास-1, श्राचारप्पन स्ट्रीट डोर सं० 79 (श्रार० एस० 5553/1) में 2 ग्राउन्ड भौर 471 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायंकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-I, मद्रास

तारी**ख** : 27-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

🔰 1. श्री सिवजानम

2. श्री कुमरसेन नाडार

(भ्रन्तरक)

(म्रन्तरिती)

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 ग्रप्रैल 1976

निर्देश सं० XII /9/102 (सित०)/75-76--

यतः, मुझे, जी० रामनाथन,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधि-नियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 150/1 है, जो सालनकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मुरप्पनाडु (पन्न सं० 1953/75) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाजत, उसत अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 7—86GI/76 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालनकुलम सर्वे सं० 150/1 में 22 एकड़ श्रौर 72 सेन्ट की भूमि में 1/3 भाग।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 28-4-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

झायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्राधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 धप्रैल 1976

निर्देश सं० XII/9/103 (सित०)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक ग्रीर जिसकी सं० 150/1 है, जो सालनकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मुरप्पनाडु (पन्न सं० 1954/75) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 2-69ग के श्रनुसार में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

1. श्री सिवजानम

(भ्रन्तरक)

2. श्री नटराजन नाडार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

सालनकुलम सर्वे सं० 150/1 में 22 एकड़ श्रौर 72 सेन्ट की भूमि में 1/3 भाग।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 28-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I मद्रास

मद्रास, विनांक 28 श्रप्रैल 1976

निर्देण सं० $\mathbf{XII}/9/104$ (सित०)/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनाथन.

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से म्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 150/1 है, जो सालनकुलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मरप्पनाडु (पन्न सं० 1955/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्दर प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भ्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में. में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1. श्री सिवजानम

(भ्रन्तरक)

2. श्री मितिग्रलगन नाडार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सालनकुलम सर्वे सं० 150/1 में 22 एकड़ श्रौर 72 सेन्ट की भूमि में 1/3 भाग।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 28-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1
4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्थ 1976

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यु०/II/1111/2434/ 75-76---यतः, मझे एस० एन० एल० ग्रग्रवाल भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए० से **प्रधि**क है श्रीर जिसकी सं० 6454 का 1/2 भाग है तथा जो कटरा बरयान, गली पीपल बाली, दिल्ली-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्तूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (व) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

न्नतः अब उक्त मिविनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रिधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातु:—

- 1. श्रीमती मुनीश कुमारी, पत्नी श्री नारेश चन्द्र, निवासी 6454, कटरा बरयान, दिल्ली-6। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गियानवती, पत्नी श्री वेद प्रकाश, (2) श्री सुरेश चन्द्र सुपुत्र श्री श्रीराम, निवासी 6454, कटरा बरयान, गली पीपल वाली, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान का 1/2 भाग जोिक 192 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर बना हुम्रा है, जिसका नं० 6/6454 है, कटरा बरयान, गली पीपल वाली, दिल्ली-6 में है।

एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 2-3-1976

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली- 1 4/15 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली 1 नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1112/415/75-आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह टिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं० जे०- 3/6 का दक्षिण भाग है तथा जो कृष्ण नगर, गाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्दीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1975 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गेई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब उनत मधिनियम की घारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उनत मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात :----

- 1. श्री बीर सिंह चौहान, सुपुत्र श्री मोती सिंह, निवासी गांव जाहराना, पोस्ट ग्राफिस भागवतपुर, तहर्साल खेर, जिला श्रलीगढ़ (यू० पी०)। (ग्रन्तरक)
- श्री चूनी लाल नारूला, सुपुत्र श्री कुलजास राय नारूला, निवासी 128/30, चान्द मोहल्ला, गांधी नगर, दिल्ली-31। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० जे०-3/6 का दक्षिणी भाग जो 188.11 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है (जिसका कुल क्षेत्रफल, 420.625 वर्ग गज है), क्रष्ण नगर की श्राबादी, शाहदरा, दिल्ली में हैं।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- II, दिल्ली, नई दिल्ली- 1

तारीख: 2-3-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

द्यायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1113/2377/75-76--यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रयाल, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० ई०-15 है तथा जो सत्यावती नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान, तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः ध्रब, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रीं हरसरूप शर्मा, सुपुत श्री शिव चन्द शर्मा, निवासी 7367, प्रेम नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री राजेश कपूरं, सुपुत्र श्री शाम दास वपूर, निवासी 5323, ब्लाक 6-बी, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिव्ली-71 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट जो 200 वर्ग गज क्षेत्रफल की भूमि पर है, जिसका नं ० 15 हैं, सत्यावती नगर, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से घरा हम्रा है:—

पूर्व : प्लाट नं० ई-14 पश्चिम : प्लाट नं० ई०-16।

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन।

एस० एन० एल० श्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 2-3-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस० 🛶

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/2387/75-76/1109—म्प्रतः मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिस बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1/24 का 1/4 भाग है तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब रूप से मधित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस 'उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, 'उनत श्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उनत अधिनियम' की धारा 269-घ की उपघारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

1. श्री हरभजन लाल, सुपुत्र श्री देसराज, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (श्रन्तरक)

2. श्री केवल कृष्ण, सुपुत्र श्री देस राज, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो ्डस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान का 1/4 श्रविभाजित भाग जो 380.5/6 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुश्रा है, जिसका नं० 24, ब्लाक नं० 1 है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, बसाए दारापुर गांव, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:---

उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : पार्क।

> एस० एन० एल० ग्रग्नवास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 2-3-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II. दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/11/1110/2398/ 75-76--श्रतः म्झे, एस० एन० एल० ऋग्रवाल मायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है ग्रौर क्रौर जिसकी सं० 1/24 का 1/4 भाग है तथा जी कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्दिकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनयम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात :—

- 1. श्री रोशन लाल, सुपुत्र श्री देस राज, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री देस राज, सुपुत्र श्री कान्गी राम, निवासी 1/24, कीर्ती नगर, नई दिल्ली-1। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान का 1/4 श्रविभाजित भाग जो 380. 5/6 वर्ग रज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 24, ब्लाक नं० 1 है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, बसाए दारापुर गांव, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : प्लाट नं० 1/24-ए पश्चिम : 'लाट न० 1/22-23

उत्तर : सर्विस रोड

दक्षिण :पार्क।

एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली- 1

तारीख: 2-3-1976

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस • ---

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-Ii, दिल्ली-1 4/1 4क, आसफअली मार्ग, नई दिल्लीं

नई दिल्ली, विनांक 2 मार्च 1976

निर्देश सं अप्राई० ए० सी ०/एक्यू ०/II/1114/2372/75-76---ग्रतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० एफ०-5/5 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :— 8—86 GI/76

- 1. श्री खेम राज सुरना तथा श्री घेवर चन्द सुराना, सुपुन्न श्री हस्ती मल सुराना, निवासी एफ-5/5, माडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्री जगदीश राम गुप्ता, (2) मास्टर दीपक जे० गुप्ता, (नाबालिग) सुपुत्र श्री जगदीश राम गुप्ता, (3) श्रीमती लीला वती पत्नी श्री रामेशवर दास गुप्ता, (4) श्रीमती इन्द्रा गुप्ता पत्नी श्री राज कुमार, निवासी ए-2/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितका किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सुची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जो 275. 47 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बनी हुई है, जिसका नं० 5, ब्लाक नं० एफ०-5 है, माडल टाउन, दिल्ली में है। यह प्लाट निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : बिल्डिंग नं० एफ-5/6 पश्चिम : बिल्डिंग नं० एफ-5/4

उत्तर : रोड

दक्षिण : बिल्डिंग नं० एफ-4/5

एस० एन० एस० श्रम्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 2-3-1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ला-। 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ला, दिनांक 2 मार्च, 1976

निर्देश सं श्राई० ए० सी ०/एक्य ०/II/1115/75-76--यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० 39/13 है तथा जो रमेश नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यास्य, दिस्सी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1975 को पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल केलिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत श्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) भ्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उवत प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधार। (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथींत :---

- 1. धरमबोर सुपुत्र श्री मानक चन्द्र, निवासी 128-डब्ल्यू० जैंड, शारदापुर, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)
- 2. श्रीमर्ता कौशल्या देवा सुपुद्धी श्री एस० हुकम सिंह, निवासी एफ० बी०/10, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली-27। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्लाट जिसका नं० 29/13 है, क्षेत्रफल 118 वर्ग गज है, रमेश नगर, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 2-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-11, दिल्ली-1

4/14 क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 5 ग्राप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीः०/एक्यु०/11/1145/75-76---अतः मझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल श्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खंकि ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 45-यू० ए०, म्युनिसिपल नं० 5990, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्दीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख सिलम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों)के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अध्यारण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्स अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उपत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपचारा (1) के ग्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रावीत:——

1. श्रीमती कौशल्या देवी वधावा, विधवा पत्नी श्री बावा जागीर सिंह, 43-यू० ए०, म्युनिसिपल नं० 5990, जवाहर नगर, दिल्ली-7, भ्रपने तथा मनमोहन सिंह के लिए जनरल एटारनी, गुरप्रेम सिंह सुपुत्र सरबंस कौर, हरमेश कीर तथा सुरजीत कौर, (सभी नाबा-लिग), सुपुत्री एल० श्री बाबा जागीर सिंह, (2) तरलोचन सिंह, सुपुत्र बाबा जागीर सिंह, (3) श्रीमती हंस खोसला, सुपुत्री श्री बाबा जागीर सिंह, पत्नी श्री बाई० सी० खोसला, 45-यू० ए०, नवाहर नगर, दिल्ली। (श्रन्तरक)

- 2. श्री डा० द्याणा नन्द महता, (2) बिणन दास मेहता, (3) राम दास मेहता, (4) दिपीन्द्र कुमार मेहता, (5) यण पाल मेहता, (6) श्रशोक कुमार मेहता, (सभी नाबालिग), सुपुत्र श्री डा० ग्रासा नन्द मेहता, निवासी 45-यू० ए०, जवाहर नगर, दिल्ली।
- 3. श्री ग्रामा नन्द मेहता, (2) श्री जीत प्रकाण मेहता, (3) श्री सन्धु राम (4) श्री कृष्ण चन्द्र तथा (5) श्री दयाल सिंह। (यह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त गड्दों और जो पदों का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जोकि 132.2/5 वर्ग गज प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 45 यू० ए० है, स्युनिसिपल नं० 5900 है, जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, विल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व : 20 फुट चौड़ी सरकारी सड़क पश्चिम : 15 फुट चौड़ी सरकारी सड़क

उत्तर : मकान नं० 45-बी०

दक्षिण : 20 फुट चौड़ी सरकारी सड़का।

एस० एन० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5 भ्रप्रील, 1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रल, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/1146/75-76---श्रतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० 3769 है तथा जो मुख्य बाजार, बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अक्तूबर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रौर भ्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री घोसी राम. सुपुत्र श्री मेमराज मल, (2) णिव कुमार, सुपुत्र श्री घासी राम, (3)कमल कान्त (नावालिंग), श्री घोसी राम के द्वारा जोकि संरक्षक के तथा पिता है, निवासी 3746, गली बरना, सदर बाजार, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- श्री मिथन लाल, सुपुत्र श्री हाकिम चन्द भान, निवासी
 1239, सदर थाना रोड, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

याददाद नं० 3769 का क्षेत्रफल 23.1/3 वर्ग गज है, जोकि बारा टूटी, सदर बाजार दिल्ली में है। यह जायदाद निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्वं : अन्य की जायदाद। पश्चिम : अन्य की जायदाद

उत्तर: : मुख्य सड़क

दक्षिण : भ्रन्य की जायदाद।

एस० एन० एस० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख: 5 ग्रप्रै**ल 1976

प्ररूप० ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ $\left(1\right)$ के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज-॥ दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1147/76-77---यतः मुझे एस० एन० एल० श्रग्रवाल भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत श्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ए० से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० जी-39 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर, 1975 को पूर्वीषत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भ्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

> (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या

भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित न्यक्तियों, श्रवातुः—

- 1. श्री शान्ती स्वरूप, सुपुत श्री राम रंग, निवासी एफ-54, बाली नगर, नई दिल्ली 1। (श्रन्तरक)
- 2. श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किशोरी राम, निवासी एम-40, कीर्ति नगर, नई विल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ़ीहोल्ड प्लाट जिसका क्षेत्रफल 200 बर्ग गज है, फ्रौर नं० 39, ब्लाक नं० 'जी' है, निवासी कालोनी बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० श्रग्नवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II,दिल्ली, नईदिल्ली-1

तारीख : 5 भ्रप्रैल, 1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रिष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 6 भ्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/ा/1162/76-77-- ग्रतः मुझे, एस० एन० एल० ग्रग्नवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक हैं श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 35 यूए, जायदाद नं० 6011 है तथा जो जवाहर नगर, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तूवर, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या घनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- (1) श्री हर कृष्ण कक्र, मुगुव श्री भगवान दास ककर,
 (2) श्रीमती रामीन्द्र ककर, पत्नी श्री हर कृष्ण कक्र, निवासी
 39-ए, मलका गंज, दिल्ली-7।
 (श्रन्तरक)
- श्री राज कुमार जैन, सुपुत्र श्री वजीर सिंह जैन,
 श्रीमती राज कुमारी जैन, पत्नी श्री राज कुमार जैन, निवासी
 उ5-यूए, जवाहर नगर सब्जी मण्डी दिल्ली। (श्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री बिहारी लाल, (2) श्री ग्रार० एल० सुमन, (3) श्री लक्ष्मण सिंह, (4) श्री इन्दा सैन पाण्डे, (5) श्री प्रेमनाथ भास्कर तथा (6) श्री गोस्यामी। (यह व्यक्ति, जिसके ग्रीध-भोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः —इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि करीब 160 वर्ग गज फीहोल्ड प्लाट पर बनी हुई है जिसका नं० 35 यू ए है, जायदाद नं० 6011 है, जबाहर नगर, वार्ड नं० 12, सब्जी मण्डी, दिल्ली में है। यह बिल्डिंग निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : प्लाट नं० ३६ पर बिल्डिंग

पश्चिम : रोड 20 फुट उत्तर : रोड 20 फुट दक्षिण : रोड 15 फुट

> एस० एन० एल० भ्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 6 श्रप्रैल, 1976

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्ज रेंज-II, दिल्ली-1 4/14क ग्रासफथली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/1161/76-77---यतः, मुझे एस० एन० एल० भ्रग्नवाल मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० डी-1/5 है तथा जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिमल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक (अन्तरकों) है और अन्तरक और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- 1. श्रीमती भान्ती ग्रानन्द, विधवा पत्नी श्री सोम सुदर्णन श्रानन्द, स्वयं तथा कुमारी सोनिया ग्रानन्द तथा कुमारी सीमा ग्रानन्द के लिए प्राक्षितिक संरक्षक के रूप में, निवासी डी-1/5, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरक)
- श्री प्यारा लाल थ्रानन्द, सुपुत्र श्री मेला राम, निवासी डी-1/5, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मंजिला मकान जोकि 112-1/2 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुन्ना है, जिसका नं जडी-1/5 है, कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : मकान नं ० डी 1/6 पश्चिम : मकान नं ० डी - 1/5

उत्तर : रोड

दक्षिण : श्री प्यारा लाल का मकान

एस० एन० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा: 6 श्रप्रैल, 1976

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवाबाद

. हैदराबाद दिनांक 1 श्रप्रैल 1976

निर्देशसं० श्रार० ए० सी०-2/76-77:--यतः मुझे के० एस० वैंकटरामनः

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भ्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 26, है जो एस० पी० रोड़, में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1808 का 16) के ग्रिधीन, 2-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भ्रम उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में; मैं, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रभीत:—-

- 1. श्रीमती हश्मनु निसा बेगम 2) जयनारायण मिश्रा एम० पी० रोड़, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रार०पी० रंगाराव 10-3-175 जोन्स रोड़, सिकन्दरा-बाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त ग्राधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 26, सरदार पटेल रोड़, सिकन्दराबाद क्षेत्र, 343 वर्गगज।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 1-4-1976

मोहरः

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मुधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

<mark>प्रर्जन रें</mark>ज एरणाकुल्म

दिनांक 6 मई, 1976

निर्देश सं० एल० सी० 64/76-77—यतः, मुझे, एस० एन० चन्द्रचुटन नायर,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत श्रिधिन्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणांकुलम जिला में एरणांकुलम बिल्लेज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, एरणांकुलम में, राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई कि.सी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधितियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिल व्यक्तियों, श्रथीत् :--9-86 G1 76

- 1. (1) श्री सी० शन्करा मेनोन (2) सी० लक्ष्मीकुट्टी श्रम्मा (3) सी० रामचन्द्रमेनोन (4) सी० बृष्णमूर्ति(शंकरा मेनन के द्वारा) (5)सी० हरि कुमार (शंकर मेनोन के द्वारा) (6) सी० राधै(7)सी० विजयराखवन । (श्रन्तरक)
- 2. श्री एन० ग्रार० हरिदास, नारायणविलासम, कटिलला देण्म एरणाकुलम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ध्रजीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रजीध, जो भी
 ध्रजीध बाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्यों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरणाकुलम जिला में एरणाकुलम विल्लेज कं० Sy. No. 595 में स्थित 13क सेन्टस भूमी और मकान । एस० एन० चन्द्रचूटन नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 6-5-1976

प्ररूप भाई ०टी ०एन ०एस ०--

श्रीमती श्रांत विशेष धन

(श्रन्तं भ्का)

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र

लखनऊ, दिनाक 3 मई, 1976

निर्देश मं० 22-एच/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, एफ० रहमान, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो कानून गोयान, प्रेम नगर बरेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड शनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तिरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रक्षिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और ग्रन्तिरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उनत श्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव उनत ग्रधिनियम की घारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उनत ग्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :-- 2. श्री हासा नन्द व भ्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उन्त श्रधिनियम' के भ्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित है वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है!

अनुषूची

्र एक किला मकान जो कि का<mark>नून गोयान, प्रे</mark>म नगर, जिला बरेली में स्थित है।

> एफ० रहमान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-5-1976

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 3 मई, 1976

निर्देश सं० 47-के/ग्रर्जन--यतः, मुझे, एफ० रहमान, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है तथा जो मैंकेनियर रोड, वरेलो

में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), पिलस्ट्रीकर्ता श्रांधकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रोकरण श्रांधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 16-9-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए श्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि कालर (अक्टरको) और अस्तिरती (अस्तिरितियों) के बेंच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित है एयं से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकिक रूप से कथित गई। नियो गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उसत श्रितियम, के अधीन कर देने के मन्तरक के दासिक्ष में कमी करने या उममे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या भन्य भारतयो की, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आभा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रस श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की स्पक्षारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित ध्यक्तियों अर्थात:--- श्रीमती शान्ति देवी व ग्रन्य

(भ्रन्तरंकः)

2. श्री करन सिंह व ग्रन्य

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) ६स गूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विस की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध निसी श्रन्य ब्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत श्रधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जो कि मैंके।नयर रोड जिला बरेली में स्थित हैं।

> एफ० रहमान सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 3-5-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 म्रप्रैल 1976

चिर्देश सं० 892-ए०/ग्रर्जन/सहारनपुर/75-76---ग्रतः मझे विजय भागवा अधिनियम, भायकर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का मारण है कि स्थावर सम्पर्सि, उचित बाजार मूल्य 25,000/- न्पये से अधिक है भौर जिसकी सं० भ्रमुसूची के श्रमुसार है तथा जो श्रमुसूची के श्रमुसार स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुपूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्टीकरती ग्राधकारी के कार्यालय सहारनपुर में राजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 को 16) के अधीन तारीख़} 4-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह टिप्टास वरने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुष्ण्यमान प्रतिपत्न से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, िम्निलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण ि रिक्त में बारत्विक रूप से वरित मही किया गया 🕏 💴

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनयम' के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (च) ऐसी विसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या 'उनत अधिनियम' या धम-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

्त: अत्र, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निय्नलिखित व्यक्तियों, मर्चात —— 1. श्रीमती मुसम्मात ललता देवी बेवा स्व० देवेन्द्र क्रमार वहिस्यत बलीया कुदरती व मादर हकीकी मि० मुन्तु बालिंग पुत्र देवेन्द्र कुमार श्रीर कुमारी अनुराधा व कुमारी वन्दना नावालिंग पुत्रियां स्व० देवेन्द्र कुमार नि० श्रन्सारी रोड सहारनपुर

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स कपूर इन्जीनियरिंग वर्कस रेलवे रोड सहारतपुर वजरिए श्री रणवीर कुमार कपूर पिसर लाला जगदीश राम कपूर पार्टनरफर्म साकिन, गिल कलौनों, सहारतपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

श्रवल सम्पत्ति दुकान ग्राउन्ड फ्लौर ग्रौर खाली भूमि इस के पीछे जिसका विवरण फार्म 37-जी० नं० 4564 में दिया गया हैं श्रौर जो रेलवे स्टेशन रोड, जिला सहारनपुर में स्थित है, 29-000 इ० मृत्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> विजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 23-4-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनाक 23 ग्राप्टैल, 1976

निर्देश सं० 893-ए०/श्रर्जन/सह।रनपुर/७5-७6~-श्रतः, मझे, विजय भार्गवा,

क्षायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उषत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रोर जिसकी मं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रिजस्ट्री-करण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4-9-75 की

पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उन्त अधिनियम, की धारा 269-य के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:—

- श्री यशवीर कुमार पिसर स्व० देवेन्द्र कुमार ग्रसत्त बजात खुद व बहैंसियत मुखतार खास मिनजानित संजीव कुमार मजफूर साकित हाल श्रन्थारी रोड, सहारनपुर पुत्र स्व० देवेन्द्र कुमार (2) दिनेश कुमार पुत्र देवेन्द्र कुमार नि० उपरोक्त
- 2. मैं सर्स कपूर इंजीनियरिंग वर्कस, रेलवे रोड, सहारनपुर बजरिए श्री रणवीर कुमार कपूर पिसर जगदीश राम कपूर, पार्टनर फर्म मजफूर, सांकिन गिल कालौनी, सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकोंगे।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त स्रधि-नियम के श्रद्धाय 20-क में परिभावित है, वही श्रर्थकोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति दुकान ग्राउन्ड फलौर श्रीर खाली भूमि उस के पीछे जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी० नं० 4565 में दिया गया है श्रीर जो रेलवे स्टेशन रोड, जिला सहारनपुर में स्थित है, 29,000 रू० मृल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्राथकर त्रायुक्त, (iनरीक्षण), (श्रर्जन रोंज), कानपुर

तारीख: 23-4-76

प्ररूप माई० टो० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 श्रप्रैल 1976

ि निर्वेश सं० 894-ए०/अर्जन/गहारनपुर/75-76—-अतः, मुझे, विजय भागवा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है शीर जिसकी यं व्यनुसूची के प्रनुपार है तथा जो अनुसूची के प्रनुपार है तथा जो अनुसूची के प्रनुपार स्थित है (प्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्राधकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-9-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त आध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिये;

ध्रतः श्रम उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ध के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के धर्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्णात्:—

- श्रीमनी सुनीता देवी जौजा डा०, राम कुमार संघल दुखतर स्व० श्री देवेन्द्र कुमार साकिन कस्वा चिलकाना डा० खास, परगना सुलतानपुर, तह० नकूड़, जिला, सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स कपूर इंजीनिश्रिंग वर्कस रेलवे रोड, सहारनपुर, वर्जरिए श्री रणकीर कुमार कपूर पिसर लाला जगदीश राम कपूर फर्म मजफूर साकिन जिला कालीनी, सहारनपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पात्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रस्थल संस्थित दुकान और भूमि जिस का विवरण कालम नं० 3 पार्म 37-जी० नं० 4570 में दिया गया है फ्रीर जो रेलवे स्टेशन रोड़, सहारनपुर में स्थित है 10,000 ६० मृत्य में हरतास्तरित किया गया है।

> विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-4-76

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

प्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1976

निदेश सं० 895-ए०/ग्रर्जन/सहारनपुर/७5-७६≔~श्रतः, युक्रे, विजय भार्यका,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसके उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण वप से विणित है), श्रीर रिजस्ट्रोकिन श्रिधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-9-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित
की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से श्रधिक है भीर धन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रायकी बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम,' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम,' या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रत: श्रव 'उवत श्रधिनियम' की धारा 269-घ के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) वे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथत् :--

- प्रीमती ललता देशी बेव। स्था श्री देवेन्द्र कुमार माकिन हाल श्रनसारी रोड़, सहाप्तपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स कपूर इंजीनि॰रिंग धर्कस रेलवे रोड बजरिए श्री रणवीर कुमार कपूर पिसर लाल। जगदीश राम कपूर पार्टनर फर्म साकिन ज्लिक कालौनी, सहारनपुर। (श्रान्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के े लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशने की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही झर्च होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्प्रसि हुकान और भूमि जिसका विधरण गालम नं० 3. फार्म 37-जीव नंव 4571 में दिया गया है और जो रेलवे / स्टेशन रोड़, सहारतपुर में स्थित हैं, 10,000 मा मृह्य ऐंडस्तान्त-रित किया गया है।

> विजय भागैका सक्षम श्रामिकारी भहायक ग्रायकर काबुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

ना**रीड** : 23-4-76

मोहर

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 57/76-77--यतः, सुझे, के० एस० वैंकटरामन, का 43) (जिसे ष्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० भ्रौर जिसकी सं० 3-6-181 से 200 है जो बूसारेडीगूड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भ्रन्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में निम्न सिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अणिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रणीत् :—

- जयलक्ष्मी हाउसींग सोसायटी, 64 शान्ती नगर हैदराबाद। (भ्रन्तरक)
- $2\cdot$ (1) जी इश्वरय्या (2) जी० वेंकटालक्ष्मी (3) जी० रमेश (4) जी० एन० किशोर, $1 \pmod 5$ जी० शिवकुमार, सिकन्दराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पश्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तथा ईमारत जिसका क्षेत्रफल 10132 वर्ग गज जिसका नगर पालिका सं० 3-6-181 से 200, बूसारेड्डीगूडा, सिकन्दराबाद।

> कें० एस० वैंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 24-4-76

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल, 1976

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० 58/76-77—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-9-338 से 341 है जो मनफींडरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्सियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः श्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1 (1) श्रीमती झहीरा बेगम पत्नी स्व० मोहम्मद नासिर
 - (2) श्रीमती सिराजुन्नीसा बेगम
 - (3) श्री हसेन बिन नासीर
 - (4) श्रीमती समीदा धेगम
 - (5) श्री हाजी मोहम्मद मोहसिन बिन नासिर
 - (5) श्री श्रली बिन नासीर
 - (7) श्री हसन बिन नासीर
 - (8) कुमारी ऐशा बेगम
 - (9) मोहम्मद बिन नासीर
 - (10) श्रहमद बिन नासीर श्रवस्यक पालक श्रीमती सिराजुन्नीया बेगम—किंग कोटी बरकास , हैंदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री इफतीखार मेहदी खान पुत्र निसार मेहदी खान 3-6-782, हिमायस नगर, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजीन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, कें श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-9-338 से 341, जिसका क्षेत्रफल 220 वर्ग गज, जो गनफौंडरी, हैंदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 24-4-76

मोहर :

10-86 GI/76

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 भ्रप्रैल 1976

सं० भ्रार० ए० सी० 59/75-76:——यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् 'उन्नत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 7/351/ए० है, जो मुबेदारपेट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नेल्लूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर
अन्तरक (अन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) श्रन्सरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रवः, उवतं ब्रिविनयम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अस्त्रीन निम्नलिखित स्यिवितयों, ब्राधीत् :-- बापटिस्ट चर्च प्रायवेट लिमीटेड

- (1) एल० एफ० कोल पुत्र जोसफ एच० एच० कौल नई म्राबादी रोड, किल पाक, मद्रास-10।
 (म्रन्तरक)
- 2. (1) एम० नरसिम्हाराव
 - (2) वाय० वेंकट प्रभाकर राव
 - (3) सी० एच० बीर राज्य लक्ष्मी पत्नी सी० वी राव बेलांगी मोजा पूर्व गोदावरी, जिला (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:—

उवत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त मृद्धों और पदों का, जो 'उन्त अधिनियम', के घडगाय 20-क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

नं० 7-351-ए०, जो 758 श्रंकणम् जो सुबेदार पेट नेल्लूर में स्थित है ।

> के० एम० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख : 24-4-76

प्ररूप माई०टी०एन०एस०---

षायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

सं० ग्रार० ए० सी० 60/76-77:--यत:, मुझे, के० एस०

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति. उचित बाजार मृहय 25,000/-रुपये से अधिक है न्नीर जिसकी सं० 3-6-106/1 है जो हिमायत नगर में स्थित है ,(भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 13-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुस्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और के बीच ऐसे अन्तरण के (अन्तरितयों) तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधात:--

- 1. श्रीमती फैज्न्नीसा बेगम पत्नी खाजा नसक्ल्ला 3-6-106/1, हिभायत नगर। (भ्रन्तरक)
- (1) श्री हुसमुद्दीन (2) सगोरा बेगम 5-3-844, मालकुटा, हैदराबाद । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अम्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पब्टीकरण--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चर नं ● 3-6-106/1, हिमायत नगर, हैंदराबाद।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैवराबाव

सारीख:24-4-76

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रेल 1976

सं० आर० ए० सीं० 61/76-77--यतः, मुझे, के० एस० वैकटरामन, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सम्पत्ति, जिसका कारण है कि स्थावर ₹० से अधिक हैं 25,000/-बाजार मुख्य श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है जो बशीरवाग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-9-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिषीत्ः—

- 1. श्री दीना नाथ मोदी पुत्र हनुमान दास मोदी 21-2-624, उर्दू शरीफ, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री एस॰ पी॰ राठी पुत्न स्व॰ रामगोपाल राठी 20-2-104, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ध्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ध्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 500 वर्ग गज, प्लाट नं० 2, बशीर **धा**ग, हैसराबाद।

के० एस० वैंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 24-4-1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1976

सं० श्रार० ए० सी० 63/76-77:- यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० 1-2-7 श्रौर 1-2-7/1 है जो मनफोंडरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 3-9-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रवः 'उम्त अधिनियम' की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उम्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- 1. श्रीमती बी॰ डी॰ इटालिया, पार्सी गल्ली, तिलक रोड़, हैंदराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री यू० वी० शर्मा और पी० श्राहिल्या 1-2-7/3, बानू कालोनी, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की प्रविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 1-2-7 पहला मंजला भ्रौर 1-2-7/1 का पहला मंजला का पूर्वि भाग जिसका क्षेत्र फल 200 वर्ग गज, तथा 390 वर्ग गज जो, बानू कालोनी हैंदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद।

तारीख: 24 श्रप्रैल, 1976।

मोहर ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 श्रप्रैल 1976

सं० ग्रार० ए० सी० 62/76-77:—यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है और जिसकी सं० 1-2-7 श्रीर 1-2-7/1 है जो हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में रिजस्ट्रीकर्रा श्रधिकारी के कार्यालय हैवराबाद में रिजस्ट्रीकर्रा श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-9-1975

को पूर्वीवस रूपित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पक्षि का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रसिक्ष से, ऐसे दृश्यमान प्रसिक्ष का पन्द्रह प्रसिश्त अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रसिक्ष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के धारी निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

- 1. श्रीमती बी० एम० इटालिया, 1-2-7 पारसी गल्ली तिलक रोड़, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
 - श्रीमती के० कामेश्वरम्मा, यल्लारेड्डी गुडा, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

घर नं० 1-2-7, ग्रौर 1-2-7/1, तल मजले पर, प्रमोद कालनी, हैंदराबाद ।

कें० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 24-4-76

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०--

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 3 ग्रप्रैल 1976

निर्देश सं० ए० सि-235/ग्रार-IV/कल०/76-77—-अतः मुझे, ए० के० बतब्याल

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कु से ग्रिधिक है

भौर जिसकी संव पि-12 है तथा जो सिव श्राइव टिव स्कीम 'एल', कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारिख 1 अगस्त, 1975

को पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (छ) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधिनियम' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: श्रव, 'उन्नत श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उन्नत श्रधिनियम' की धारा 269-न की जग-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों. श्रर्थात्:--

1. श्रीमती पन्ना देवी (ग्रन्तरक)

मेमर्स बैज चौक प्रोपार्टिज (भ्रन्तरिती)

3. 1. जनता जलपान, 2. नन्दलाल एन्ड अदर्स, 3. इन्दीरा देवी, 4. कर्नैया लाल दूगर, 5. देब नाथ सेन, 6. कल्पतरू कलर कं०, 7. जानुभाई और केसोरी राय, 8. सुन्दर लाल महेश्वरी, 9. पदम चंद राम पुरिया, 10. प्रेम कुमार ग्रोम प्रकाश, 11. ऐन० जी० राय एण्ड सन्स, 12. मोहन लाल कोचर, 13. शाम सुन्दर शाहा 14. हजारी लाल श्रगरवाला, 15. साधु राम

ग्रगरवाला, 16. ग्रोसवाल वाच कं०, 17. राधा-किशन गुप्ता, 18. राधा किशन गुप्ता, 19. पवन क्लाथ स्टोर्स, 20. विश्वनाथ प्रगरवाला, 21. जनता टेलर्स, 22. शेखर चन्द जैन, 23. भवरलाल तुलाराम, 24. बलाई लाल शर्मा, 25. शंकर विलास शाह, 26. ग्रशर ग्रल मिल्लिक, 27. लक्षी नारायण स्टोर्स, 28. मदन मोहन शाहा, 29. हनुमान दास ग्रगरवाला, 30. गोपी चंद ग्रगरवाला, 31. बि० ग्रार० गुप्ता, 32. हिर सी० जैन, 32. राम सागर शाह, 34. श्रब्दुल हनान थानदार, 35. शुजा-उहिन, 36. हिर किशन गुप्ता, 37. जय भगवान गुप्ता, 38. नारायण दास चन्डक, 39. प्रिभिचन्द्र नरेन्द्र कुमार, 40. जे० ग्रार० लखोटिया 41. दाल चन्द बचवान, 42. विश्वनाथ चौधरी, 43. विश्वनाथ चौधरी 44. न्यू भारत लक्ष्मी होसियारी, 45. शैरत बजेद ग्राली एन्ड बदर्स, 46. जैयन्नल ग्राबेदीन एन्ड ग्रदर्स, 47. बालेश्वर शाह एन्ड जोगेश्वर शाह, 48. मेसर्स शान्ती कुमार कोठारी, 49. शुभेन्दु कुन्डु, 50. हनुमान दास मुन्धा।

(वह व्यक्ति, जिनके ग्रभिभाग में सम्पत्ति है)

4. सर्वश्री मोतिलाल कनोरिया श्रौर सुरेन्द्र कुमार कनोरिया (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उम्त भ्रिश्वित्यम', के भ्रष्ट्याय 20-क में पिरभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेस सं० पि-12, सि० घाई० टि स्कीम 'एल', कलकक्षा म एक मंजिला मकान साथ राजस्य मुक्त 8 कट्टा 15 छटाक 5 स्को० फिट के परिमाप जमीन ।

> ए० के० बतब्याल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV 54 रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक: 3-4-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

ध्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-र्रे, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1976

निर्वेश संव Ix/1/16 (सितम्बर)/75-76—यतः मुझे, जीवरामनाथन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संव 18, ताना मुलीयप्पन स्ट्रीट/82, नाट्टुपिल्लैयार काईल स्ट्रीट, मद्रास है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (पत्न संव 6596/75) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 रितम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत पुजकत भ्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:——

- 1. श्री टी० के० तान्डवकृष्णन, मद्रास-28 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती एम० कमलाकशी भाय, मद्रास-24 प्रन्तरिती)
- 3. सर्वश्री (1) शन्मुगम, (2) पोन्नया, (3) सुलेका बीवी (4) संगु मोहमद, (5) कन्नन टी शाप, (6) चन्द्र-सकरन (7) वेलू नायकर, (8) राजगोपाल चेट्टी श्रौर श्रादि । (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भ्रर्थहोगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, सर्वे सं० 6743, डोर सं० 18, ताता मुलीयप्पन स्ट्रीट/82, नाट्टु पिल्लैयार काईल स्ट्रीट में एक ग्राउन्ड ग्रौर 1859 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

> जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मब्रास

दिनांक: 15-5-1976

मोहर : 🖡

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

णिलांग, दिनांक 27 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए-123/टिन/75-76/4229-36---यतः मुझे, एगर्वट सिंग ग्रिधिनियम, 1961 (1961 斬 ध्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण. है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-से मल्य रु० भ्रौर जिसकी सं० इस पर दी गई है तथा जो टिनसुकिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15 सितम्बर, 1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे का पन्द्रहप्रतिशत **अ**धिक **है भौर** दश्यमान प्रतिफल यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरको) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य लिखित में वास्तविक रूप से कथित से उक्त श्रन्तरण नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—— 11—86GI/76

- 1. 1. सर्वश्री मोहन कहार, 2. सिताराम कहार कानापुकरी, टिनसुकिया । (ग्रन्तरक)
- श्री कृष्ना कुमार राय, चेम्बर रोड (बशबाजार के नज-दीक) टिनसुकिया।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर भ्रौर जमीन की माप लगभग 2 कट्टा $1\ 3/4$ लेखा जिसकी श्रसली पट्टा सं० नहीं है नं० $12\ (पुराना)$, $408\ (पुराना)$ $1109\ (नया)$ दाग नं $2100\ (पुराना)/4752\ (नया)$ नापु-करी टिनसुकिया मौजा में हैं।

एगर्वट सिंग सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 27-2-76

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1976

निर्देश सं० ग्र० इ० 2/2054/3953/75-76—-यतः मुझे, एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत ग्रिधितियम' वहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 15,000/- ६० से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० सं० एच/385, 391 ग्रंतिम प्लाट सं० 6, टी० पी० एस नं० 4 है, जो दांडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1975 को

पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी विसी ग्राय या किसी धन या ग्रस्य आग्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1912 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर अग्निनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं क्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती मंगलागोरी नर्मदाशंकर रावल, श्रीमती कुंदन गौरी इच्छाशंकर व्यास श्री रमेश ग्रार० रावल, श्री नरेन्द्र ग्रार० रावल ग्रौर श्री राजेन्द्र ग्रार० रावल, (ग्रन्तरक)

- 2. श्री श्राम्बालाल मगनलाल पटेल, जयंतीलाल मगनलाल बिस्किटवाला (श्रन्तरिती)
 - 3. इस नोटिस की भ्रनसूची 'ए' के भ्रनसार 30 किराएदार

1. भरतकुमार ए० जानी, 2. एम० वाय वखारकर 3. छिबल-दास छोटालाल पटल, 4. मोहनलाल बी० चिमोदा, 5. प्रागजीभाई बी० चिमोदा, 6. श्रीमती पदमाबेन सी० शाह, 7. कांतीलाल एन० शाह, 7. जयंतीलाल एम० शाह, 9. प्रेमजीभाई य्० शाह, 10. कांतीलाल एम० शाह, 11. जसूभाई एन० शाह, 12. रवीशंकर जे० जोशी, 13. प्रवीणचंद्र बी० देसाई, 14. रजनीकांता एम० पारीख, 15. श्रीमती भानूबन ए० तोसानी, 16. जयंतीलाल एम० घुपेलिया 17. भोगीलाल एन० देसाई, 18. श्रीमती के० बी० धनुवाला, 19. चिमणलाल डी० शाह, 20. कांतीलाल सी० मेहता, 21. छबिलदास छोटालाल पटेल, 22. जे० एम० सावंत, 23. केदारलाल डी० व्यास, 24. चिमणलाल डी० ग्रमीन, 25. जपेन्द्र ग्रम्बालाल काका, 26. काशीभाई कालीदास पटेल, 27. जयंतीलाल एम० शाह, 28. धीरजलाल एम० गागलानी, 29. रेवाशंकर पी० जोशी, 30. हरीशंकर पी० पंडया।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस स्वात के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के शब्दाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही शर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर में रिजिस्ट्रेशन जिला श्रीर उपजिला के श्रंधरी तालुका में सजा दांडा में स्थित जमीन श्रथवा भदान श्रीर उस पर बनी गृहवाटिकाएं टेन-इ-मंट (मकान) या निवासी घर तथा उनमें लगे सभी पेड़ श्रीर कुएं इत्यादि सहित वह तमाम भाग श्रथवा खंड जिसका सी० टी० एस० बांद्रा संख्याएं एच/387, एच/389 है, श्रीर फायनल प्लाट सं० 5 (श्रोरिजिनल प्लाट सं० 82) या टी० पी० एस० सं० 4 सांताकुज है, तथा जो पैमाइश में 3192 वर्गगज श्रथात 2669 वर्गमीटर या उसके बराबर है, वह इस प्रकार से घरा हुश्रा है कि पूर्व श्रीर उत्तर में (प्राइवेट पैसेज) निजी रास्ता है, दक्षिण में प्रापर्टी है, जिसे महेश्वर व्हिला के नाम से जाना जाता है श्रीर पश्चिम में स्वामी विवेकानंद मार्ग है, उत्तर में श्रथवा उत्तर की श्रीर मार्ग है, श्रीर पूर्व में श्रथवा पूर्व की श्रीर एक सडक है:

एम० जे० माथन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 14 मई, 1976

प्ररूप भ्राई० टीं० एन० एस०----

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० घ्र० इ० 2/2060/4049/75-76 — यतः मुझे, एम० जे० माथन

म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उम्रत म्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 9, सं० नं० 287 (श्रंश) सीटी सं० नं० 159 जे० ब्रेंग्ह स्कीम है, जो विले पार्ले (पिष्चम) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बांद्रा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 सितम्बर, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर ध्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर ध्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण किखित में बास्तिक रूप से कथित नही निया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई विसीध्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी विसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब उनत श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उनत श्रिधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रिश्ति:——

- 1. सर्वश्री 1. रमणलाल गिरधरलाल शाह, 2. रमेश रमण-लाल शाह, 3. उपेन्द्र रमणलाल शाह (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री हरीश जयंतीभाई पटेल (म्रन्तरिती)

3. सर्वश्री 1. मनुभाई मेहता, 2. हर्षदभाई टी० शाह, 3. गिरधरलाल गांधी, 4. ग्रशोक भाई एम० पटेल, 5. धीरजलाल मेहता। (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'जक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बृहतर बम्बई में बम्बई उपनगर जिला के रजिस्ट्रेशन उपजिला बान्द्रा में विलेपाले में उत्तर-दक्षिण रोड सं० 4 पर स्थित एवं ध्रवस्थित जमीन अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो कि पट्टेपर (लीज-होल्ड) है, वह पैमाइण में 534 वर्गगज अर्थात 448.56 वर्गमीटर अथवा उसके समकक्ष है और बल्लभ नगर को० औ० हा० सो० लि० की प्लाट सं० 9 है और वह भूराजस्व के कलक्टर की पुस्तकों में 287 (पार) सीटी सर्वेक्षण सं० 159, जूह डेह्नलप-मेंट स्कीम विलेपार्ल के अधीन पंजीकृत है, और इसका निर्धारण बृहतर बम्बई की म्युनिसिपल कार्पोरेशन के म्युनिसिपल दर और कर के असाइनर और कलेक्टर में 'के' वार्ड सं० 8186(9) स्ट्रीट सं० 24, जुहु विले पार्ले प्लाट सं० 9 के अधीन किया है और वह इस प्रकार से धिरा हुआ है कि:

पूर्व में अथवा पूर्व की श्रोर वल्लभ नगर को० श्रां० हा० सो० लि० की 40 फुट चौड़ी सड़क है, पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर बल्लभ नगर को० श्रां० हा० सो० लि० की प्लाट सं० 8 है, उत्तर में अथवा उत्तर की ओर बल्लभ नगर को० श्रां० हा० सो० लि० की 60 फुट चौड़ी सड़क है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की और बल्लभ नगर को० श्रां० हा० सो० लि० की प्लाट सं० 10 है।

एम० जे० मायन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक: 15 मई, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1976

निर्देश सं० श्रई-1/1315-7/सितम्बर 75--यत:, व्ही स्रार० स्रमिन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्रधिनियम' पण्चात् **'उक्**त कहा गया 269-ख के प्राधिकारी अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सी० एस० 1970 माहीम डिव्हीजन है, जो प्लाट नं० 630, टी० पी० एस० नं० III, है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), माहीम रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी को कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 10 सितम्बर, 1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रमु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैंसर्स ए० सी० इस्टर्न इनकार्योरेटेड (ग्रन्तरक)
- श्रीमती शुशिला के० विजन ग्रौर श्री तिलोक कुमार के०
 विजन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उषत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और दों का, जो 'उक्त अधिनयम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बम्बई में लेडी जमशेदजी रोड, पर स्थित तथा ग्रवस्थित वह तमाम भूखंड ग्रथवा भूभाग जिसका टाउन प्लानिंग स्कीम 3 माहीम का प्लाट नं० 630 है, कलक्टर का नया सर्वेक्षण नं० 23-25 (पार्ट) सी० एस० 1970, माहीम डिबीजन है, पैमाइश में 574 वर्गमीटर यानीकि 687 वर्गगज के लगभग है ग्रौर जिसका निर्धारण बम्बई महानगर निगम द्वारा जी-वार्ड नं० 4945, स्ट्रीट नं० 273, लेडी जमशेदजी रोड के ग्रधीन किया गया है, जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी है कि पूर्व में ग्रथवा पूर्व की श्रोर टी० पी० एस० III माहीम की प्लाट नं० 629 है, पिचम में प्रथवा पिचम की श्रोर टी० पी० एस० में उत्तर की ग्रोर 50 फीट चौड़ा रास्ता दूरवर्ती (श्राफ) लेडी जमशेदजी रोड है, दक्षिण में ग्रथवा दक्षिण की ग्रोर टी० पी० एस० III, माहीम की प्लाट सं० 635 है।

व्ही० ग्रार० श्रमिन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 11 मई 1976

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1976

निर्देश सं० भ्र० ६० 1/1355-33/सितम्बर 75---यतः, भन्ने, व्ही० श्रार० श्रमीन ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 48 गिरगांव डिर्ह्म जन है, जो क्वीस्स रोड के पूर्व बाजे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरर्ट् वर्ता अधिवारी के कार्यालय, बम्बई, में स्थित २ जिर्दू वरण ऋधिरियम, (1908 का 16) के अर्धान दिनांक, 22 सितम्बर, 1975 को पृष्ठीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त ध्रीधिनियम के ध्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- (1) सर्वर्थाः । घिसालाला डी॰ श्रग्रवाल उर्फ गोयल, 2. प्रभातीलाला ग्रार० श्रग्रवाल (ग्रन्तरक)
 - (2) सर्वश्री 1. पेठे एम० जी०, 2. भगवान दास एच० शहा, 3. निर्तान कुमार बी० शहा (ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर के रिजस्ट्रेशन जिला भीर उपजिले म वर्व:न्स रोड की पूर्व की स्रोर स्थित जर्मान का वह तमाम भाग जो कि पैमाइश में लगभग 211.85 वर्गगज प्रथति 178 वर्गमीटर के बराबर है, भ्रौर इस प्रकार से घिरा हुआ है कि उत्तर-पूर्व में भ्रथवा उत्तर-पूर्व की भ्रोर मोरोबा धनजी राउत श्रौर श्रन्य की प्रापर्टी है, जिसका कंडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 49 है, उत्तर-पूर्व में श्रथवा उत्तर पूर्व की ग्रोर सरकारी रास्ता है, दक्षिण-पूर्व में अथवा दक्षिण-पूर्व की ग्रोर प्रापर्टी है जो कि बायरामर्जा जीजीभाय पारसी चारिटेबल इन्स्टि-टयुशन के न्यासीयों (द्रस्टियों) के श्रिधिभोग (श्रांक्यूपेशन) में है भ्रौर दक्षिण-पश्चिम में श्रथवा दक्षिण-पश्चिम की भ्रोर सरवारी जमीन है ग्रीर उसके पीछे क्वीन्स रोड है ग्रीर जमीन का ऊपर कहा गया भाग बम्बई के कलेक्टर की पुस्तकों में कलेक्टर रेट रोलड में सं० 8351 के श्रंतर्गत पंजीकृत है, श्रीर उसकी गिरगांव डिवीजन की कंडास्ट्रल सर्वेक्षण सं० 48 है, उन सभी बिल्डिंग ग्रीर स्ट्रक्चरस सहित जो कि उस पर बर्ना हुई है, फ्रांर इसका निर्धारण म्युनिसिपल दर श्रीर कर के कलेक्टर द्वारा वार्ड सं० 14(र्ड:) वार्ड सं० 1466 (2) स्ट्रीट सं० 31-31 ए क्वीन्स रोड, (मकान भ्रौर दुकानों सहित भवन) के म्रधीन किया गया है।

> व्ही० श्रार० श्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 15 मई 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1976

निर्देश सं० अ० इ० सं० 3/855/सितम्बर 75——यत:, मुझे, आर० जीं० नेश्रकर श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वत 'स्वत अधिनियम' वहा गया है).

धायकर ग्रीधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार '६०त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका ६चित बाजार मृष्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० ऐ० 1 (श्रांश) है, जो कार्व दर्ल गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18 सितम्बर, 1975 को प्रबोबत सम्पत्ति के उचित

बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँक्त सम्पत्ति या उच्चित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपल के पद्धह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर अन्तरक (श्रार रकों) भीर अन्तिन्ती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे श्रातरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गंहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रान्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उवत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उवत श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यवितयों, श्रथीत्:—

- 1. (1) श्रीमती लर्जाताबेन एल० लोखंडवाला, (2) श्रीमती स्राणा बी० शाह, (3) श्री हरीश एल० लोखंडवाला, (4) श्री मनीष एल० लोखंडवाला, (5) श्री चेतन एल० लोखंडवाला 'महावीर' तीसरी मंजिल, रिज रोड, बम्बई-6। (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स किशोर बिल्डर्स प्रा० लि०, 216, कामर्स हाउस, दूसरी मंजिल, 40, भेडोज स्ट्रीट फोर्ट, बम्बई-1 (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर श्रौर बम्बई उपनगर रिजस्ट्रेशन जिला श्रौर उप-जिला में कांदीवली में धानुकर वाडी में प्लाट सं० ए-1 (पार्ट) में स्थित जमीन श्रथवा मैदान का वह तमाम भाग श्रथवा खंड जो कि माप में 1786 वर्गगज श्रथीत् 1482.38 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है, श्रौर जिसका 'श्रार' वार्ड संख्या 2281(2) स्ट्रीट सं० ए-1, दत्त मंदिर रोड, धानुकर वार्डी, कांदिवार्जी है, श्रौर जिसके उत्तर में प्लाट सं० ए-1 (पार्ट), पश्चिम में सर्वक्षण सं० 87, पूर्व में दत्त मंदिर मार्ग श्रौर दक्षिण में प्लाट सं० ए-2 है।

> श्रार० जी० नेहरकर, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3 मई 1976

1 1 1.

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जम रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1976

निदण सं० घ० ६० 2/2044/3841/75-76——यतः सुझे, एम० जे० माथन,

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 13 टी० पी० एस० 2 है, जो ज़ह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधवारी के वार्यालय, बरवई में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 13 सितम्बर, 1975 को

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिव्धिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त श्रीव्धिनयम या धन-कर ग्रीव्धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्रीमती वसुमती बाबलचंद केशवलाल मोदी (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विजय सुभ निवास को० श्रां० हा० सो० लि० (ग्रन्तरिती)

- श्री मनोहर लाल म्राजाद
 श्री भगवान दास के पुत्र
 - 2. श्री कौशल भारती गौतमराम कौशल के पूत
 - 3. श्री रामर्सिग गुलाटी कौणल सिंग गुलाटी के पूल
 - 4. श्रीमती जसबीर कौर बावा इशार सिंग की पुत्नी
 - 5. श्री जोगिंदर सिंग भ्रानंद जय देव सिंग के पुत्र
 - 6. श्री राजेंद्र पाल सिंग चावला महताब सिंग चावला
 - 7. श्री कांतीलाल नारायण दास देवनानी
 - 8. श्री मदनलाल गुप्ता हंसराज गुप्ता के पुत्र
 - 9. कुमारी मेक्सी पिटो श्री लिगौरी पिटो
- 10. कुमार कस्तुरी पुत्रन मि० एख० ए० पुत्रन की पुत्री
- 11. श्री मेहताब सिंग कौशल सिंग गुलाटी

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रोर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बम्बई नगर श्रीर बम्बई उपनगर में रिजस्ट्रेशन जिला श्रीर उपजिले में जुह पर स्थित वह समाम जमीन श्रथवा मैदान श्रीर उस पर बनी इमारतों का वह तमाम भूभाग जो कि पैमाइश में 613 वर्गगज श्रथित 512.468 वर्गमीटर या उसके बरावर है, वह टाउन प्लानिंग स्कीम सं० 2, सांतात्रुज की प्लाट सं० 13 का उत्तरी भाग है, श्रीर इस प्रकार से घरा हुआ है कि दक्षिण में अथवा दक्षिण की श्रोर कथित प्लाट सं० 13 का श्रन्य भाग है, पूर्व में श्रथवा पूर्व की श्रोर खजान लैंड है श्रीर पिष्चम में श्रथवा पिष्चम की श्रोर कथित स्कीम का 25 फुट चौड़ा रास्ता है, प्रापर्टी का सी० टी० एस० सं० 1013 है।

एम० जे० मायन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

दिनांक: 14 मई, 1976

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज- 1, दिल्ली- 1 4/14 क, म्रासफम्रली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1976

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यु०/1/एस श्रार-III/सितम्बर (13)/938/75-76—यतः मुझे, एस० सीं० पारीजा, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' वहा गया है) की धारा 269-ख के अर्धाम सक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संव बी- 260 है तथा जो ग्रेटर कैलाश- 1, नई दिरकी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रांकति अधिकारी के कार्याख्य, नई दिव्ली में रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5 सितम्बर, 1975

को बोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण वे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अर्धान कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अघने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनृसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयीत्:──

- 1. मैं० डीं० एल० एफ० यूनाईटिड लि०, 40-एफ, क्नाट प्लैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री मोहम्मद यूसुफ (ताबालिस) (2) मोहम्मद इकबाल (ताबालिस) सुपुत्र श्री गृलाम मोहर्द्दीन तरमब्द, इनके पिता तथा प्राकृतिक संरक्षक श्री गुलाम मोहर्दीन तरमब्द के द्वारा (3) श्रीमती पोषा बेगम, पत्नी गुलाम मोहर्दीन तरमब्द, सभी निवासी 6, राज बाग, श्रीनगर (काशमीर) (श्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध. जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबई किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण—-१समें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी- 260 जिसका क्षेत्रफल 314 वर्ग गज है, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली के याकूतपुर गांव, दिल्ली की याकूतपुर गांव, दिल्ली की याकूतपुर गांव, दिल्ली की याक्तिया है रिया है:---

पूर्व: प्लाट नं० बी- 260ए, ग्रेटर कैलाश- 1

पश्चिम: रोड़ उत्तर: रोड़ दक्षिण: सिवस लेन

एस० सी० पारीजा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्क्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 17-5-1976

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 ग्रप्रैल 1976

निर्देश सं० 392/म्रर्जन/कानपुर/75-76---यतः मुझे, विजय भागवा,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रोर जिसकी सं श्रमुस्ची के अनुसार है तथा जो अनुसूर्या के अनुसार स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 स्रगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तिरित्ती (भन्तिरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से प्रायत पर से प्रायत महीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई िकसी ध्राय की बाबत, 'उक्त ध्रिधिनयम', के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब 'उक्त प्रिवितयम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उक्त प्रिधितियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :—-12—86GI/76 1. श्री (1) बिद्या सागर, (2) श्री प्रेम सागर निगम पुत स्व॰ सीता राम, निवासी 109/404 ए० व बी० नेहरू नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह पुत्र सरदार सुन्दर सिंह साकिन, 11'8/ 10, कौशलपुरी, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतदृष्टारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अरर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

अचल सम्पत्ति मकान नम्बर 110/131, जो राम कृष्ण नगर, कानपुर में स्थित है श्रीर जो प्लाट नं 0.76 पर बना हुश्रा है श्रीर जिसका क्षेत्रफल 0.356 वर्ग गज है, 0.4000 ६० मृल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गवा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 13-4-1976

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्राय्वस (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 13 भ्रप्रैल 1976

निर्देश सं० 898/प्रर्जन/गाजियाबाद/ 75- 76/88---यतः मुझे, विजय भागवा,

ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्रवास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ह्पए से ग्रधिक है और जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रीर इससे उपावट श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21 श्रगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्तफल के लिए

ग्रन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित

बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रिष्तफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रिष्तफल के पन्द्रह प्रिष्मित से ग्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे

ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उबत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः %व उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- 1. श्री तेज राम पुत्र श्री जय नारायन निवासी मोहल्ला सोहन लाल, गाजियात्राद, जिला मेरहा (श्रीकाक)
- 2. (1) श्री हरीचन्द (2) श्री श्रीचन्द पुतान ला० बाबू राम निवासी 28 चन्द्रपुरी, गाजियाबाद, जिला मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर 21 श्रौर 22, क्षेत्रफल 400 वर्ग गज जो चन्द्रपुरी, गाजियाबाद में स्थित है, 30,000 रू० मृख्य में हस्तान्त्ररिन किया गया है।

> विजय भागेवा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक: 13-4-1976

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

(परीक्षा स्कंध)

विमस्ति

श्रेणी III श्राणुलिपिक परीक्षा, 1976 नई दिल्ली, दिनांक 29 मई 1976

सं० 13/1/76-प्रबन्ध—भारत सरकार के प्रधीन भिन्न-भिन्न सेवाओं/पदों की श्रस्थायी रिक्तियां भरने हेतु सिववालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, नई दिल्ली के परीक्षा स्कंध द्वारा 28 दिसम्बर, 1976 को श्रगरतला, श्रहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दार्जिलिंग, दिल्ली, गौहाटी (दिसपुर), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, रायपुर, रांची, द्विवेन्द्रम, उदयपुर तथा विदेश में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में श्रेणी III श्राणु-लिपिक परीक्षा, 1976 ली जायेगी।

2. पात्रता की शर्ते:

- (क) श्रायु सीमायें :-- उम्मीदवार की श्रायु 1 जनवरी, 1976 को 18 श्रौर 25 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उपरी श्रायु सीमा में श्रनुसूचित जातियों/ग्रादिम जातियों, भूतपूर्व सैनिकों तथा कुछ श्रन्य विशेष श्रेणियों के उम्मीदवारों को छट दी आएगी।
- (ख) योग्यताएं :--मैद्रिकुलेशन या समकक्षा
- 3. वेतनमान :—-रु० 330-10-380-द० ग्र०-12-500-द० ग्र०-15-560।
- 4. फीस :--12/- ६० (अनुसूचित ,जातियो/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3/- ६०)।
- पूरे विवरण तथा श्रावेदन पत्र उप-निदेशक, सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध) पश्चिमी खंड-1,

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd April 1976 CORRIGENDUM

No. A. 12025(ii)/1/75-Admn.III.—Paragraph 2 of this office notification of even number dated 26th March, 1976 stands deleted

2. Paragraph 3 of the said notification shall be renumberted as paragraph 2.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT ENFORCEMENT DIRECTORATE

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMN. REFORMS)

New Delhi, the 22nd April 1976

No.Shri A. K. Banerjee is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Jaipur Sub-zonal Office of this Directorate with effect from 29-3-1976 (FN) and until further orders.

S. B. JAIN Director रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 से 1.00 रुपया (रिजस्ट्री द्वारा श्रावेदन पत्न मंगवाने के लिए 2.00 रुपये) के रेखित ('प्राप्त कर्ता लेखा') भारतीय पोस्टल-आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली-22 पर देय हों, नाम और डाक पत्ते की तीन पाँचयां के साथ भेज कर श्रथवा संस्थान के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

6. भरे हुए ब्रावेदन-पन्न संस्थान को 21 जुलाई, 1976 (विदेशों में तथा ब्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में अथवा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 4 श्रगस्त, 1976) तक ब्रवण्य पहुंच जाने चाहिए। उसके बाद प्राप्त होने बासे आवेदम-पत्नों पर विचार नहीं किया जायेगा।

मदन लाल, निदेशक (परीक्षा)

संघ लोक सेवा आयोग

नर्ष विल्ली-110011, दिनांक 29 मई 1976

शुद्धि-पन्न

सं० एफ० 2/9/75-प० 1 (ख)—भारत के राजपन्न दिनांक 21 फरवरी, 1976 में प्रकाशित संघ लोक सेवा ग्रायोग के इंजीनियरी सेवा परीक्षा, 1976 के नोटिस के प्रारम्भ में "नई दिल्ली, दिनांक 21 जनवरी, 1976" के स्थान परं, "नई दिल्ली दिनांक 21 फरवरी, 1976" पढ़ा जाए।

बी० <mark>श्रार० तलवार,</mark> श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग।

New Delhi, the 14th April 1976

No. A-11/18/76.—Shri G. N. Lakhanpal Inspector of Income Tax Amritsar is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Jullundur Zonal Office of this Directorate, with effect from 31-3-1976 and until further orders.

NRIPEN BAKSI Deputy Director (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th April 1976

No. A-19036/5/76-AD-V.—Director, C.B.I. and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri T. N. Kapoor, Inspector of CIA(I) Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 31-3-1976 in a temporary capacity until further orders.

No. A-19036/6/76-Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police. Special Police Establishment, hereby appoints Shri Hoshiar Singh, Inspector, Central Bureau of Investigation Jaipur Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1-4-76 in a temporary capacity, until further orders.

No. A-19036/7/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Sbri R. K. Swamynaidu, Inspector EOW, Madras on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1-4-76 in a temporary capacity, until further orders.

The 22nd April 1976

No. A-19036/8/76-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Kewal Singh, Inspector of Jammu Branch on promotion as Deputy Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forencon of 14-4-1976 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E) C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DTE. GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 23rd April 1976

No. O.II-114/73-Estt.—Consequent on his repatriation to Army, Major Jagdish Raj, handed over the charge of the post of Asstt. Comdt., Ist Signal Bn, CRPF, New Delhi on the afternoon of 24th March, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 8th April 1976

No. E-16013(2)/3/76-Ad.I.—On transfer on deputation from Karnataka State Police Shri Jai Parkash IPS (Karnataka-1965) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit Bhilai Steel Plant, Bhilai with effect from the Forenoon of 24th March, 1976.

The 15th April 1976

No. E-32015(2)/4/75-Ad.I.—The President is pleased to appoint Lt. Col. Mukut Singh, as Commandant, Central Industrial Security Force Unit, F.C.I., Sindri with Headquarters at Sindri, on re-employment with effect from the forenoon of 30th March 1976, until further orders.

L. S. BISHT Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 21st April 1976

No. 11/4/76-RG(Ad.1).—In continuation of this office notification No. 11/7/75-RG(Ad.1) dated 8 September, 1975, the President is pleased to appoint Shri. R. E. Choudhari, investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Assistant Director of Census Operations in he same office on ad hoc basis, for a further period of four months with effect from the forenoon of 18 February, 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter

2. The headquarters of Shri Choudhari will continue to be at Bombay.

No. 11/4/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 11/7/75-RG(Ad.I) dated 8 September, 1975, the President is pleased to appoint Shri D. P. Chatlerjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bancal as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on ad hoc basis, for a further period of four months with effect from the forenoon of 19 February 1976 or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chatterjee will continue to be at Calcutta.

No. 11/4/76-RG(Ad.1).—In continuation of this office notification No. 11/7/75-RG(Ad.I) dated 16th September 1975, the President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Iammu & Kashmir, Srinagar as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, on ad hoc basis, for a further period of four months with effect from the forenoon of 1 March 1976, or till the post is regularly filled up, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Kalla will continue to be at Bhopal.

R. B. CHARI Registrar General, India

New Delhi-110011, the 23rd April 1976

No. 6/1/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 6/1/74-RG(Ad.I) dated 25 August 1975, the President is pleased to continue the purely temporary and ad hoc appointment of Shri R. N. Talwar as Assistant Director (Programme), for the period from I March 1976 upto 31 August 1976 on the existing terms and conditions.

2. The President is also pleased to appoint Shri N. C. Sharma as Assistant Director (Programme) on a purely temporary and ad hoc basis, with effect from 21 February 1976 to 31 August 1976.

R. B. CHARI Registrar General, India and ex-ficio Joint Secretary

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 20th April 1976 CORRIGENDUM

No. 68018(2)/71-AN-II.—Item 9 of the notification bearing even no. dated 7-11-72 in respect of Shri G. Ramamurthy, published in the Gazette of India vide page 1696, Part III Section 1 dated December 2, 1972 is cancelled.

Existing items 10 and 11 are re-numbered as 9 and 10 respectively.

S. K. SUNDARAM Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL PSTABLISHMENT

New Delhi, the 23rd April 1976

No. 6/1020/74-Admn (G)/2611.—On attaining the age of superannuation, Shri C. K. Harchandani relinquished charge of the post of Controller of Imports & Exports in this office on the afternoon of 31st March, 1976.

P. K. KAUL Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 22nd April 1976

No. 10(1)/73-75/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 5(1) of the Cotton Control Order, 1955, I hereby make the following further amendment to the

Textile Commissioner's Notification No. 10(1)/73-74/CLB II, dated the 19th December, 1974, namely:—

- In the said Notification :-
 - For Explanation (i), the following shall be substituted, namely:—
 - "(1) The average monthly consumption will be computed on the basis of manufacturers actual consumption during September, 1975/March 1976 as reported in the CST—H return submitted by the manufacturer to the Textile Commissioner."
 - 2. For Explanation (IV), the following shall be substituted, namely:—
 - "(IV) For the purpose of this Notification, Indian Cotton shall include all varities of Indian Cotton."

G. S. BHARGAVA Joint Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

New Delhi-110011, the 27th March 1976

No. A.19018/236/76-Admn(G).—The Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri T. H. Williams, a substantive Small Industry Promotion Officer in the Branch Small Industries Service Institute, Agra, to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Central Footwear & Training Centre, Agra (under Branch Small Industries Service Institute, Agra), on an ad hoc basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) in the Forenoon of 23-2-1976.

V. VENKATRAYULU Deputy Director (Admn)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 24th April 1976

No. A-17011(14)/71-A6.—The President is pleased to appoint Shri J. K. Khanna, Inspecting Officer in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Class I to Officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Grade II of the Service with effect from the foremoon of the 30th March 1976 until further orders.

Shri Khanna relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engg.) in the office of the Director of Inspection Northern Inspection Circle, New Delhi on the forenoon of the 30th March, 1976.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) TRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 13th April 1976

No. 14.2(2)/71,—Shri Protap Kumar Roy, Junior Inspector, is hereby appointed to officiate in the post of Senior Steel Control Inspector with effect from April 1, 1976 (F. N.) vice Shri Nripendra Nath Sarkar, proceeded on earned leave upto 15-5-1976.

T. GHOSH Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 15th April 1976

No. 2251(TCM)/19B.—Shri T. C. Markose received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 19th January, 1976.

No. 2251(MLF)/19B.—Shri M. L. Fotedar received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 23rd January, 1976.

No. 2181(PKS)/19B.—The following Senior Technical Assistants (Chem.), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the dates, shown against each, until further orders:

- 1, Shri P. K. Sen Gupta-22-3-1976.
- 2. Shci G. K. Mohla-19-3-1976.

No. 2222(BKS)/19A.—Shri Bijoy Kumar Srivastava, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th March, 1976, until further orders.

No. 2251(MFRH)/19B—Shri Md, Fazlur Rahim Hyder-Drilling Assistant, Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16-1-1976, until further orders.

No. 2251(PKRP)/19B.—Shri P. K. Ramchandra Panicker received charge of the post of Driller in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity with effect from the forenoon of the 16th January, 1976.

No. 264 (23/9)/19 A (Vol. III)/76—The following Senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

SI. No.	Name of officer		•	Date of appointment
· 1.	Dr. Dilip Kumar Ray			18-3-1976 (F.N.)
2.	Miss Sibani Das Gupta	•		18-3-1976 (F.N.)

The 17th April 1976

No. 40/59/C/19A.—Shri D. P. Maity, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200/on ad hoc basis with effect from the forenoon of 29-3-1976, until further orders.

No. 40/59/C/19A.—Shri A. K. Gupta, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200/on ad hoc basis with effect from the afternoon of 31-3-1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN Director General.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 20th April 1976

No. 9/19/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. B. Joshi, Accountant, All India Radio, Parbhani to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Patna on ad-hoc basis with effect from 8-4-76 (F.N.).

The 23rd April 1976

No. 2/71/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri G. Ramalingam, Head Clerk, Television Centre, Madras to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Bangalote on ad-hoc basis with effect from 13-4-1976 (F.N.).

J. S. PANDHI Section Officer for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th April 1976

No. 28-3/73-Admn-l.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Bhasin to the post of Deputy Assistant Director (Assessment) in the National Malaria Eradication Programme, Delhi on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31st March, 1976, and until further orders.

No. 17-19/75-Admn.1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. Tbulasiraman to the post of Prosecutor in the Directorate General of Health Services, New Delhi, on a temporary basis, with effect from the forencon of the 24th March, 1976, and until further orders.

S. P. JINDAL Dy. Director Administration (O & M)

New Delhi, the 22nd April 1976

No. 38-8/75-CHS. I.—Consequent on their transfer, the following C. H. S. Officers relinquished/assumed charge of their posts in the Airport Health Organisations with effect from the dates shown against each :—

Name and category of the post	Relinquished charge of the post of	Assumed charge of the post of
1. Dr. P. C. Roy, Airport Health Officer, Bombay (Specialist Grade of the CHS).	Airport Health Officer, Airport Health Organisa- tion, Bombay on the afternoon of the 24th March, 1976,	Port Health Officer Port Health Orga- nisation, Bombay on the forenoon of the 25th March, 1976.
2. Dr. S. D. Vohra, G. D. O. Grade I of the CHS.	Port Health Officer, P. H. O., Calcutta on the afternoon of the 13th March 1976.	Airport Health Officer, A. P. H. O., Palam on the fore- noon of the 22nd March 1976.
3. Dr. M. M. Mandal, G.D.O. Grade I of the CHS.	Research Officer, N. J. C. D., Delhi on the afternoon of the 11th March 1976.	Deputy Airport Health Officer, A. P. H. O., Palam on the forenoon of 12th March 1976.

R. N. TEWARI Deputy Director Administration (CH)S

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 20th April 1976

No. F.4-6(108) /76-A.111.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, New Delhi, Shri Ras Bihari Sana has been appointed by the competent authority to officiate as Assistant Marketing Officer, Group 11, in the Directorate of Marketing & Inspection at Calcutta, with effect from 15-3-76 (F.N.), until further orders.

V. P. CHAWLA Directr of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 18th March 1976

No. DPS/A/32011/2/75/Est.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Ram Avtar Gupta, a permanent Upper Division Clerk (Stores) and officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPs), Narora Atomic Power Project as an Assistant Stores Officer, on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 in the same Directorate with effect from the afternoon of February 7, 1976, vice Shri B. D. Kandpal, Asstt. Stores Officer, appointed as Stores Officer.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 23rd March 1976

No. MAPP/9(1)/76(R).—Shri Rama Subramanian a permanent Stenographer in the Bhabha Atomic Research Centre and a temporaty Superintendent in the Madras Atomic Power Project is appointed as Assistant Personnel Officer in the Madras Atomic Power Project in a temporary capacity on ad-hoc basis from the Forenoon of March 8, 1976 until further orders.

K. BALAKRISHNAN Administrative Officer for Director, PPED

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 21st April 1976

No. E(1)04261.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eightynine days with effect from the forenoon of 1-4-76 to 28-6-76.

Shri Gopinatha Rao, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona.

The 22nd April 1976

No. E(1)07061.—The Director General of Observatorics hereby appoints Shri S. Rengarajan, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 15-2-76 vide this Department Notification No. E(1)07061 dated 5-2-76 to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a further period of 17 days with effect from the forenoon of 16-2-76 to 3-3-76.

Shri Rengarajan Officiating Assistant Meteorologist remains posted to Meteorological Centre, Trivandrum under the Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)03705.—On attaining the age of superannuation, Shri S. C. Mojumder, Assistant Meteorologist, office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from Govt, service with effect from the afternoon of 31st January, 1976.

G. R. GUPTA Meteorologist

for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st April 1976

No. A.23022/1/75-F.S.—Shri P. N. Mahajan, a permanent Administrative Officer in the Office of the Regional Director, Delhi relinquished charge of the post on 31-3-76 (A.N.), on retirement from Govt, service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI

Deputy Director of Administration

New Delhi, the 13th April 1976

No. A.32013/6/75-F.A.—The President is pleased to appoint S/Shri K. P. V. Menon, V. R. Vishwanathan and S.C. Ioshi, to the grade of Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department, on regular basis with effect from the 2nd March, 1976, and until further orders.

The 15th April 1976

No. A.12034/4/76-F.A.—Shri H. N. Pande, Senior Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Lucknow retired from Government service on the 31st March, 1976 (AN) on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

New Delhi-110022, the 15th April 1976

No. A.32013/10/75-EH(i).—The President has been pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri S. Venkaswamy as Director of Equipment in Civil Aviation Department upto the 31st August. 1976 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/10/75-EH(ii).—The President has also been pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri S. Mukho-padhvay as Deputy Director of Equipment in the Civil Aviation Department upto the 31st August, 1976, or till the vacancy is filled on regular basis, whichever is earlier,

T. S. SRINIVASAN Asstt. Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 20th April 1976

No. A-19012/574/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. C. Aggarwal to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the afternoon of 20-2-1976.

Shri R. C. Aggarwal assumed charge of the post of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Soil and Material Research Station. Central Water Commission, New Delhi, with effect from the above date and time.

The 21st April 1976

No. 14/238/62-Admn.V(Vol. IV).—The Chairman, Central Water Commission is pleased to accept the resignation tender-

ed by Shri Kimatrai Israni from the post of Extra Assistant Director, Central Water Commission with effect from 16-3-1976 (A.N.)

JASWANT SINGH Under Secretary for Chairman, C.W. Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Roshini Hire Purchasing Company And Chitfund Private Limited

Jaipur, the 21st April 1976

No. STAT/1477.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Roshini Hire Purchasing Company And Chitfund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of \$rt Ganganogar General Exchange Limited

Jaipur, the 21st April 1976

No. STA/1343—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of Sri Ganganagar General Exchange Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREFL Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Bank of Nagpur Limited

Bombay-2, the 21st April 1976

No. 12089/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bank of Nagpur Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, Satara Swadeshi Commercial Bank Limited

Bombay-2, the 21st April 1976

No. 259/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Satara Swadeshi Commercial Bank Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 8th April 1976

CORRIGENDUM

BC No. ADM.GAZ.184-4/75(I).—Please read "M. P. Mehwala, Inspector, Central, Bombay 29-9-75 (FN) "instead of" M. P. Mehawala, Inspector, Central, Bombay 29-9-75 (AN)" as appearing at Sr. No. 1 of this Notification No. 1470 dated 10th March, 1976.

V. RAMASWAMI IYER Commissioner of Income-tax Bombay City-I, Bombay

DIRECTORATE OF ORGANISATION & MANAGEMENT SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 15th March 1976

F. No. 9/808/74-DOMS/485.—On his transfer from the Office of the Registrar General, India, New Delhi, Shri Shankar Gupta, Assistant Director (EDP) office of the Registrar General, India, Ministry of Home Affairs New Delhi, assumed the charge of the office of the Assistant Director, Directorate of Organisation & Management Services (Incometax), New Delhi on the forenoon of 15th March, 1976.

H. D. BAHI.
Director of Organisation &
Management Services (1, Tax)

OFFICE OF THE INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL, Bombay-400020, the 19th April 1976

ORDER

No. F.48-Ad(AT)/76.—Shri G. S. Shetye, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches,

Bombay whose order of appointment as Assistant Registrar, income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore vide my order No. F.48-Ad(AT)/75.P.II dated 1-11-1975 was kept in abeyance until further orders. Vide my order No. F.48-Ad(AT)/75.P.II dated 15-11-1975, is appointed to officiate as Assistant Registrar, in the Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore on regular basis against promotion quota with effect from the date he assumes charge at Bangalore. Shri G. S. Shetye will be relieved of his duties as Assistant Superintendent Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on 30-4-1976 (A.N.) and will assume charge of his office as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore after availing himself of usual joining time as per rules.

2. Shri G. S. Shetye, will be on probation for two years with effect from the date he assumes charge as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore.

HARNAM SHANKAR President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, SMT. K. G. M. P. AYURVED HOSPITAL BUILDING, NETAJI SUBHAS ROAD,
CHARNI ROAD, BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 3rd May 1976

Ref. No. AR/III/849/Sept.75.—Whereas, I, Shri R. G. NERURKAR.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 9, Hissa No. 2 part, City Survey No. 36 situated at Goregaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub Registrar's Office Bombay on 3-9-1975 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

13-86GI/76

(1) J. D. & Co., Pvt. Ltd., Alice Bldg., Dr. D. N. Road, Fort, Bombay-1

(Transferor)

(2) Acme Metal Industries Pvt. Ltd., Swami Vivekanand Road Goregaon (West) Bombay-62.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground situate lying and being in the Village of Goregaon in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburbs and bearing Survey No. 9 Hissa No. 2 part and bearing City Survey No. 36 of Goregaon Village now admeasuring 3733 sq yards equivalent to 3122/43 Sq. metres or thereabouts (which area as per the Lease was 3997 Sq. yards out of which 262 Sq. yards was acquired for set back of Swami Vivekanand Road and bounded as follows: On or towards the WEST by Swami Vivekanand Road, On or towards the EAST by a nalla, On or towards the South by the land bearing Survey No. 9 H.No. 2 part of Goregaon Village belonging to Vendors and let out to R. B. Shanbaug and others and on or towards the NORTH by the land bearing S.N. 9 Hissa No. 2 part of Goregaon Village and let out to Shri Babulal Dipchand Kothari and delineated on the plant hereto annexed and shown surrounded by RED coloured boundary lines.

R. G. NERURKAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-5-1976

(1) Shri Joginder Singh, s/o Shri Jamit Singh, R/o Village Kamalpura, Tehsil Jagraon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kartar Kaur, wd/o Shri Jamit Jingh, R/o Village Kamalpura, Tehsil Jagraon.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. JGR/1847/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, measuring 25 kanal and 6 marlas, situated at Village Kamalpura, Tehsil Jagraon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagraon in August 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 25 kanal and 6 marla, situated in Village Kamalpura, Tehsil Jagraon, District Ludhiana, Khata No. 458/511,

Killa No. 9/2 12 8/2 13/1 18/2 19 Samabandi year 1971-72

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2740 of August, 1975 of the Registering Officer, Jagraon.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Dated: 11th May 1976

(1) M/s Tyre Land of India Village Rosoi, District Sonepat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jaesbro and Co. Delhi (Regd) Village Rasol,
District Sonepat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Chandigarh, the 12th May 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. SNP/1846/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to be-

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Rasoi, District Sonepat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sonepat in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Land consisting Khasra Nos. 5/24, 25 14/4/1 5-16 7-12 1-7 of Village Rasoi District Sopepat.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1869 of August, 1975 of the Registering Officer, Sonepat).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

V. P. MINOCHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 12.5.1976

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS ____

 Smt, Krishna Kumari, w/o Shri Kailash Chand.
 Smt, Santosh Kumari, w/o Shri Mohinder Pal, 66-New Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. LDH/C/379/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No-

Plot No. 24, Model Gram, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ludhiana in August, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Avtar Singh, No. 73, Manua Singh Colony, Model Gram, Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, situated on the road which takes off from Main Model Gram road connecting Pakhowal Road. Khasra No. 75/15/11. Khata No. 1411/1512, Jamabandi year 1970-71. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 4563 of August. 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 11th May 1976

Scal:

(1) Smt. Indira Devi, w/o Shri Tilak Raj, Basant Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transfetor)

(2) Shri Satpal, s/o Muni Lal/, House No. B-XIX/ 433/9, Basant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref. No. LDH/C/381/75-76.—Whereas, I. V. P. MINOCHA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/2 portion in kothi No. B-XIX/433/9, Civil Lines, Basant Road, situated at Ludhiana

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion in kothi No. B-XIX/433/9, Basant Road, Civil Lines, Ludhiana. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 4592 of August, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana).

V. P. MINOCHA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Dated: 11th May 1976

Smt. Harpal Kaur, w/o Shri Sukhdev Singh, Resident of Model Town, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 11th May 1976

Ref No. PTA/1152/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 70-D, Model Town, situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in August, 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Surjit Kaur, w/o Shri Bhagwan Singh, Resident of Seh. (Ludhiana). Presently at House No. 70-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 70-D, Model Town, Patiala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2440 of August, 1975 of the Registering Officer, Patiala.)

V. P. MINOCHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Dated 11 May 1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 22nd April 1976

Ref. No. 1553.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule and situated at V. Boot

(and more fully described in the Schedule annexe hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Jullundur on Aug. 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishan Singh and Bishan Singh Sons of Shri Labh Singh s/o Sh. Mahli Ram, R/o V. Boot.

(Transferor)

(2) Shri Jagat Ram s/o Sh. Burra s/o Shri Rakha Ram. V. Mudh Teh. Nakodar.

Through

Shri Kishan Chand K.P.M.C. R/O Basti Bawa Khel, Jullundur City.

(Transferce)

(3) at S.No. 2 Anybody Interested in the Property.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5117/August, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur

Date: 22-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 22nd April 1976

Ref. No. 1554.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Kot Ram Dass, Jullundur (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur on Aug. 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Raj Gopal son of Shri Ramji Das, R/O Bikrampura, Jullundur City,

(Transferor)

(2) Shri Bansi Lal s/o Sh. Ram Lal W.F. 145 Ali Mohalla, Jullundur City.

(Transferee)

(3) at S.No. 2 Anybody Interested in the Property.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanations:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Deed No. 5373/ August, 1975 of Sub-Registrar, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Jullundur.

Date: 22-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/Sept./(52)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C-178 situated at Defence Conony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 25-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14-86GI/76

(1) Shri Tirlok Nath Grover s/o Shri Haveli Ram r/o 34/32. West Patel Nagar, New Delhi as General Attorney of M/s Narang Overseas Private Limited, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lalls Copper and Brass Palace 1009. Chawari Bazar, Delhi.

(Transferce

(3) Shri K. N. Sahni r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (G.F.) 2. Shri Tenzing Lote r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (F.F.).

(Persons in occupation of the property)

(4) M/s Narang Overseas (Pvt.) Ltd., 17, Sunder Nagar Market. New Delhi.

(Persons whom the undersinged knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡th undivided share of 2½ storeyed building on Plot No. C-178, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq. yds and bounded as under:—

North South East West Property No. 177 Property No. 179 Service Lane Road.

> S. C. PARIJA, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref No. IAC/Acq.I/SRIII/969/Oct-I(15)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-178, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 8-10-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tirlok Nath Grover s/o Shri Haveli Ram, r/o 34/32. West Patel Nagar, New Delhi as General Attorney of M/s Narang Overseas Private Limited, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lalls Copper and Brass Palace, 1009, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferce)

- (3) Shri K. N. Sahni R/o C-178, Defence Colony, New Delhi (G.F.) 2. Shri Tenzing Lote, r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (F.F.). (Persons in occupation of the property)
- (4) M/s Narang Overseas (Pvt.) Ltd., 17. Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

th undivided share of 2½ storeyed building on Plot No. C-178, Defence Colony, New Delhi measuring 325 sq yds and bounded as under:—

North
South
Property No. 177
Property No. 179
East
West
Service Lane
Road

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/Sept/(33)/75-76.—Whereas, I, S. C PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-178, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 17-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shri Tirlok Nath Grover s/o Sh. Haveli Ram, r/o 34/32. West Patel Nagar, New Delhi as General Attorney of M/s Narang Overseas Private Ltd., Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Lalls Copper and Brass Palace 1009, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri K. N. Sahni r/o C-178, Defence Colony, New Delhi (G.F.) 2. Shri Tenzing Lote, C-178. Defence Colony, (F.F.) New Delhi.

(Persons in occupation of the property)

(4) M//s Narang Overseas (Pvt.) Ltd., 17, Sunder Nagar Market, New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th undivided share of 2½ storeyed building bearing No. C-178, Defence colony, New Delhi and measuring 325 sq. yds and bounded as under:—

North Property No. 177
South Property No. 179
East Scrvice Lane
West Road

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Sept./1005(1)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land mg 2 Bigha 8 Biswas situated at Vill :—Dabri, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 3-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kailash (Minor) and Danesh (Minor) SS/O Sh. Debi Sahai R/O 77/1, Punjabi Bagh, Delhi, through their father and natural guardian Sh. Devi Sahai, S/o Sh. Net Ramji.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Devi Jindal, W/O Sh. Devi Sahai Jindal, R/O 77/1, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bigha and 8 Biswas vide khasra. No. 29/6, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 15-5-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14Å, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.II/Sept./1011(8)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land mg 2 bigha and 8 Biswas situated at Village. Dabri, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-9-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persona, namely:—

(1) Shri Anil Kumar (Minor) and Sh. Arvind Kumar (Minor) SS/O Sh. Debi Sahai Jindal, R/O 1/77, Punjabi Bagh, Delhi, Through their natural guardian Sh. Debi Sahai Jindal S/O Sh. Net Ram Jindal.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Devi Jindal W/O Sh. Debi Dahai Jindal R/O 1/77, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas and 8 Biswas, vide Khasra No 29/6, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. I.A.C./Acq.III/SR-II/Sept/11019(16)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land mg. 2585 sq. yds. situated at Out of Khasra No. 29/15. vill. Debri, Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on 20-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 M/S. Jindal Industries Ltd; 15/1, Asaf Ali Road, New Delhi through Sh. Basant Kumar Manager, of Its Delhi Branch.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Devi Jindal, W/O Sh. Debi Sahai Jindal, R/1/77, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2585 sq. yds bearing plots No. 8 and 9, part of Khasra No. 29/15, situated in the area of Village Dabri, Delhi State, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. 15
East: Other land
South: Plot No. 6&7
West: Plot No. 10

S. C. PARIJA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1976

 Shri Kanhya s/o Shri Ram Chand r/o Village Sarangpur (Delhi).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-1 (110001), the 15th May 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Sept./1013(10)/75-76.--Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mustatil No 37 and Mustatil No. 36 situated at Sarangpur (Delhi)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 17-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ramkala, Ramphal, Karan Singh Bharam Parkash ss/o Shri Jug Lal rs/o Village Galibpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 bighas and 11 biswas bearing Mustatil No. 37. Killa No. 4 (2-12), 5/2 (2-3), 6 (3-3) and mustatil No. 36, Killa No. 2 (2-0) 8/2 (1-17), 9 (5-4) 10 (4-4) 13/1 (0-8) situated in the area of village Sarangpur, Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 15-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/Sept./410(5)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/4 share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI, Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on 4-9-1975.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Inder Singh s/o Shri Nihal Singh r/o 4351, Gali No. 58 Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi General Attorney on behalf of Smt. Harjit Kaur, w/o Shri Amar Singh d/o Shri Ram Singh (Transferor)

 Shri Kishan Singh s/o Saudagar Mal r/o 5-A/170, Sat Nagar Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. Sen

2. Shri Neel Kantan

 Shri M. D. Chaudhary All r/o 6A/50, WEA, Karol Bagh, New Delhl.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 21 storeved house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North: Road South: Street

East: House on plot No. 6-A/51 West: House on plot No. 6-A/49

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-5-1976

FORM ITNS ---

 Shri Amar Singh s/o Shri Inder Singh r/o 4351, Gali No 58 Regharpura, Karot Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Kishan Singh, r/o 6-A/68, WEA, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

New Delhi,

(3) 1. Shri S. Sen
2. Shri Neel Kantan
3. Shri M. D. Chaudhary
all r/o 6A/50, WEA. Karol Bagh,
New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III_/Sept./411(6)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4 share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI, Plot No. 50. Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on 4-9-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

15—86GI/76

(4) Any body Interested in the Property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of $2\frac{1}{2}$ storeyed house municipal No. 11101, Word No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North: Road South: Street

Fast: Plot No. 6A/51 West: Plot No. 6A/49

S. C. PARIJA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Date: 17-5-1976

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC Acq.III/SR-III/Scpt./412(7)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

1/4 share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi Delhi

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 4-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Amar Singh s/o Shri Inder Singh, r/o 4351, Gali No. 58, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh s/o Shri Kishan Singh r/o 4351, Gali No. 58, Regharpura, Karol Bagh, New Delhi, now r/o 6-A/68, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

 Shri S. Sen
 Shri Neel Kantan
 Shri M. D. Chaudhary all r/o 6A/50, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 2½ storeyed house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 50, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under:—

North: Road South: Street

East: Plot No. 6A/51 West: Plot No. 6A/49

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-5-1976

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/Sept/409(4)/75-76.—Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Property No. 11101, situated at Ward No. XVI, Plot No. 50, Block No. 6-A, WEA, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-9-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Inder Singh s/o Shri Nihal Singh, r/o 4351, Gali No. 58 Rehgarpura, Karol Bagh, New Delhi General Attorney on behalf of Smt. Harjit Kaur, w/o Shri Amar Singh d/o Shri Ram Singh.

(2) Smt. Pushpa Rani alias Pushpa Devi w/o Shri Kishan Singh r/o 5-A/170, Karol Bagh, r/o 6-A/68, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri S. Sen
2. Shri Neel Kantan
3. Shri M. D. Chaudhary
all r/o 6A/50, WEΛ, Karol Bagh,
New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of 21 storcyed house municipal No. 11101, Ward No. XVI, built on plot No. 56, Block No. 6-A area 162 sq. yds. situated in the Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :--

North: Road South: Street

West: House on plot No. 6-A/49 East: House on plot No. 6-A/51

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JII,
Delhi/New Delhi,

Date: 17-5-1976

.--FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1

New Delhi-110001, the 17th May 1976

Ref. No. IAC. Acq. III / Sr. III / Nov / 457 (12) / 75-76. Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2218 situated at Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 28-11-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Modern Machines Pyt. Ltd., 2217, Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi.

_ ____

(Transferor)

(2) Smt. Asha Oberoi w/o Shri I- L. Oberoi, 7, South Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s Economic Transport Organisation, 2218, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi,

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 357 sq. yds, bearing No. 2218, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi with superstructure thereon comprising of two rooms and a tin shed of corrugated sheets and bounded as under :-

North: Gali No. 9 (Chuna Mandi) South: Gali No. 10 (Chuna Mandi)

East: Raj Guru Road West: Property of Shri Kanhaya Lal Jain

S. C. PARIJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 17-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 1st April 1976

Ref. No. VII/1/37(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. Nos. 421/31, 421/32A & 421/32B situated at Old Dharapuram Road, Palani

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Palani (Doc. No. 1187/75) on September 75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 268D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) I. R. Souricajulu Chettiar,

S. Bengarajan,
 S. Bhuvanendran &

S. Jithendrian, (minor by guardian R. Sourifajulu Chettiar) Devangar Street, Palani. 4. S.

(Transferor)

 1. Dr. P. C. Kannu, Peter Road, Palani
 2. Pandiam Pillai, Kallimanthiam villa Palani village, Taluk.

3. Rajamani, Kallimanthiam village, Palani Taluk.

village, Palani 4. Panchatcharam, Kallimanthiam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land measuring 22041 sq. ft. with buildings thereon now known as Samy Theatre in T.S. Nos. 421, 32B, 421/32A and 421/31 and bearing door Nos. 31, 31A, 31B, 31C, 31D, 31E and 31F, Old Dharapuram Road, Palani. Date: 11-4-1976.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 1-4-1976.

Madras-600040. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri R, Karunanidhi, Panagudi 627109. (Transferee)

Shri P. Somasundaram, Plot No. 117, Anna Nagar,

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6. (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Madras-6, the 5th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. XIX/10/62(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the competent authority under section 269B. of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 1406/2, situated at Panagudi village (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panagudi (Doc. No. 1755/75) on September 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of:-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 39% cents with buildings thereon at Survey No. 1406/2, (Door Nos. 203, 204 & 205) Panagudi Panchayat Ward IV, Tirunelveli district.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. XX1/12/94(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

17, situated at Chetty Street, Trupathur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathur (Doc. No. 3375/75) on September 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) Shri T. A. Thatha Chettiar, Shri T. A. Velu Chettiar, Smt. Periyammal (alias) Andalammal, 69, Chetty Street, Tirupathur.

(Transferor)

(2) Nagarathu Vaisiyargal Sangam throuugh its President, Shri S. R. Subramaniam Chettiar, Tirupathur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of land measuring 5603 sq. ft. with building thereon at door No. 17 Chetty Street, Tirupathur.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisiton Range-I, Madras-6.

Date: 27-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. XXI/12/95(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 17, situated at Chetty Street, Tirupathur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathur (Doc. No. 3376/75) on September 75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri T. A. Thatba Chettiar, Shri T. A. Velu Chettiar, Smt. Petiyammal (alias) Andalammal, 69, Chetty St., Tirupathur.

(Transferor)

 Nagarathu Vaisiyargal Sangam thro' its President, Shri S. R. Subramanian Chettiar, Tirupathur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A portion of land measuring 5603 sq. ft. with building thereon at door No. 17, Chetty Street, Tirupathur.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisiton Range-I, Madras-6.

Date: 27-4-1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 21st April 1976

Ref. No. XII/14/63, 64 & 65 (Sept) 1975-76.—Whereas I, G, RAMANATHAN,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 146/2 situated at Palayamchettikulam, Tirunelveli district

(and more fully described_in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Palayamkottai (Doc. No. 2676/75) on 11-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

16 --86GI/76

 Haji S. N. Sultan Abdul Cader (1) & Haji S. N. Mohamed Noohu, sons of Segu Noorudeen, Appa Palli Street, Kayalpatnam, Tiruchendur Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Jayajothi (1), W/o. Thangaraj Nadar, Pandarachettivilai, Udangudi village, Tiruchendur Tajuk.

Smt. P. Mahalakshmi (2), W/o. Paulpandia Nadar, Pudukudi, Srivaikuntam Taluk.

Smt. K. Thamaraipushpam, W/o. Karuppiah Nadar, Pandarachettivilai, Udangudi village, Tiruchendur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 58 cents in R. S. No. 146/2, Palayamchetti-kulam village, Tirunelveli district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 21-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX; ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/7/67/(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Survey No. 208 & 205, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Makudanchavadi (Doc. No. 1139/75) on 15-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con-

teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Ramasamy Gounder & Shri V. R. Mani, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferor)

(2) Shri Sengoda Gounder, son of Varudappa Gounder, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring 3.95 acres in Survey Nos. 208 (3.06 acres) and 205 (0.89 acres) purchased by sale deed registered as Doc. No. 1139/75 with the Sub-Registrar, Makudanchayadi.

G. RAMANATHAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-4-1976,

Seal ;

(1) Shri Ramasamy Gounder & Shri V. R. Mani, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Natesan, son of Muthu Gounder, Vellakkalpatti, Erumaipatti village.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/7/68(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Survey No. 208 & 205, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Makudanchavadi (Doc. No. 1140/75) on 15-9-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION !—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands measuring 3.95 acres in Survey Nos. 208 (3.06 acres) and 205 (0.89 acres) purchased by sale deed registered as Doc. No. 1140/75 with the Sub-Registrar, Makudanchavadi.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/72(SEPT)75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kumarapalayam (Doc. No. 1381/75) on 16-9-1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely.—

(1) Shri S. A. Natesa Gounder (1), Sanyasipatty Agraharam, Sankari Tq., Rajambal, W/o. Devanna Gounder (2), Shri Velumani (minor) by guardian Smt. Rajambal (3), Shri Kanagasabapathy (4), Papathi alias Saroja (5), W/o. Kalianna Gounder, Maniampalayam, Vellankadu, Gounthapadi, Nalla Gounder (6), Kandasamy Gounder, s/o. Sellappa Gounder, (7), Kandasamy Gounder, s/o. Sellappa Gounder (8), Sellappan, s/o. Kandasamy (9), Rasayammal, d/o. Sellappa Gounder (10), Kandasamy Gounder (s/o. Attiyanna Gounder, Sulliparukki, Padavedu village, Tiruchengode (11), Shri Attiyanna Gounder (12), Shri Chettiya, Gounder, Sankari Tq. (13).

(Transferor)

 Smt. S. Gajalakshmi, W/o. P. Subbaraman, 179, Kutcheri Street, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10481 sq. ft. in Survey No. 316/5, Ward 3. Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/73(SEPT)/75-76.—Whereas I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regstering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1384/75) on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. A. Natesa Gounder (1), Sanyasipatti Agraharam, Sankari Tq., Rajambal (2), Shri Velumanl (minor) by guardian Smt. Rajambal (3), Shri Kanagasabapathy (4), Papathi alias Saroja (5), Nalla Gounder (6), Kandasamy Gounder (7), Kandasamy Gounder, son of Sellappa Gounder (8), Sellappan (9), Smt. Rasayammal (10), Kandasamy Gounder (s/o. Attiyanna Gounder (11), Attiyanna Gounder (12) and Shri Chettiya Gounder (13).
- (2) Smt. Saraswathi, W/o. Ramasamy Chettiar, Raja Street, Pallipalayam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 100302 sq. ft. in Survey No. 316/5, Ward No. 3, Pallipalayam village, Salem district

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-4-1976.

FORM ITNS ____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1. MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/74(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1386/75) on 16-9-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appnrent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. A. Natesa Gounder (1), Smt. Rajammal (2), Shri Velumani (minor) by guardian Smt. Rajammal (3), Shri Kanagasabapaibi (4), Pappathi alias Saroja (5), Shri Nalla Gounder (6), Kandasamy Gounder s/o. Nalla Gounder (7), Shri Kandasamy Gounder (8), Sellappan Gounder (9), Smt. Rasayiammal (10), Kandasamy Gounder, s/o. Athiyanna Gounder (11), Shri Athianna Gounder (12), Shri Chettia Gounder (13).

 (Transferor)
- (2) Shri P. Sangameswaran, Police Station Road, Pallipalayam village, Salem district.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5724 sq. ft. in Survey No. 316/5, Palli-palayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 29-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. XVII/13/75(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kumarapalayam (Doc. No. 1388/75) on 16-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri S. A. Natesa Gounder,
 - 2. Smt. Rajammal,
 - Shri Velumani, minor by guardian Smt. Rajammal
 - 4. Shri Kanagasabapathi,
 - 5. Pappathi alias Saroja,
 - 6. Shri Nalla Gounder,
 - 7. Shri Kandasamy Gounder s/o Shri Nalla Gounder
 - 8. Shri Kandasamy Gounder S/o Shri Sellappa Gounder.
 - 9. Shri Sellappan,
 - 10. Smt. Rasayiammal,
 - Shri Kandasamy Gounder s/o Shri Athianna Gounder,
 - 12. Shri thianna Gounder, and
 - 13. Shri Chettja Gounder.

(Transferor)

(2) Shri P. Rajanna Chetty, Pudoor, Pallipalayam village, Salem district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,616 sq. ft. in Survey No. 316/5, Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

XVII/13/76(SEPT) /75-76.—Whereas, I, G. No. RAMANATHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 316/5, situated at Pallipalayam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kumarapalayam (Doc. No. 1390/75) on 16-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri S. A. Natesa Gounder,
 - 2. Smt. Rajammal,
 - 3. Shri Nalla Gounder,
 - 4. Shri Kandasamy and
 - 5. Shri Chettia Gounder,

(Transferor)

(2) Shri K. Krishnasamy Chetty, son of S. S. M. Kandasamy Chettiar, Car Street, Bhavani.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5,616 sq. ft. in Survey No. 316/5, Pallipalayam village, Salem district.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-4-1976.

Scal:

(1) RM. AR. AR. RM. Trust by trustees M/s Ramanathan Chettiar, Arunachalam Chettiar and Veerappan Chettiar, Devakottai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. X/1/82/SEPT/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 22090, situated at Palam Station Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2941/75) on 20-9-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17—86 GI/76

- (2) (1) Shri Narshi Premji Patel,
 - (2) Shri Manji Premji Patel and
 - (3) Shri Hiralal Arjan Patel, partners in Sri Venkateswara Saw Mill, 98, Palam Station Road, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 20 cents in T.S.No. 2209, Palam Station Road, Sellur, Madurai.

G. RAMANATHAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. X/1/83(SEPT')/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. 2209, situated at Palam Station Road, Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2940/75) on 20-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) RM. AR. AR. RM. Trust by trustees M/s Ramanathan Chettiar, Arunachalam Chettiar and Veerappan Chettiar, Devakottai,

 (Transferor)
- (2) Shri R. K. A. Gurusamy Chettiar, 45, R. S. Naidu Street, Sellur, Madurai. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 13 cents and 82 sft. in T. S. No. 2209, Sellur, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENTOF INDIA

(1) RM. AR. AR. RM. Trust by trustees M/s. Ramanathan Chettiar, Arunachalam Chettiar and Veerappan Chettiar, Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri Narshi Premji Patel (1), Shri Manji Premji patel (2) and Shri Hiralal Arjan Patel (3), partners in Sri Venkateswara Saw Mill, 98, Palam Station Road, Sellur, Madurai.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 29th April 1976

Ref. No. X/1/84(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. 2209, situated at Sellur, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 2931/75) on 19-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 15 cents in T. S. No. 2209, Sellur, Madurai.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 29-4-1976.

(1) Shri Palani Gounder & Shri Shanmuga Subramaniam, Samayasangili Agraharam, Seerampalayam. (Transferor)

(2) Shri Chinna Gounder, son of Muthu Gounder, Seerampalayam, Samayasangili Agraharam.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XVII/13/70(SEPT) /75-76.—Whereas, I, G, RAMANATHAN,

being the Competent Authority under section 269 B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. , situated at Samayasangili village (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kumarapalayam (Doc. No. 1352/75) on 11-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 6 acres in Survey Nos. 242/1, 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 and 245/3 in Samaya Sangili Agraharam village.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 28-4-1976

(1) Shri Palani Gounder & Shri Shanmuga Subramaniam, Samayasangili Agraharam, (Transferor)

(2) Shri Chinna Gounder, Secrampalayam, Samayasangili Agrabaram.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in land measuring 6 acres in Survey Nos. 242/1 243/3, 243/6, 243/9, 244/2, 245/6, 246/4, 228/1 and 245/3 in Samaya Sangili Agraharam village.

> G. RAMANATHAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 28-4-1976

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

No. XVII/13/71(SEPT)/75-76.—Whereas, I G. Ref. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

, situated at Samayasangili Agraharam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kumarapalayam (Doc. No. 1353/75) on 11-9-1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tran fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideraton for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. XII/10/52(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. , situated at Serakkulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srivaikuntam (Doc. No. 2344/75) on September 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nambi Thevar son of Pusa Thevar, lluppaikulam.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Thevar, Ramanujanpudoor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres and 27½ cents in Survey Nos. 713/2 (1.02 acres), 716/1 (7½ cents) and 716/2 (3.18 acres) in Serakkunam village.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-6.

Date: 27-4-1976

FORM ITNS----

(1) Shri Nambi Thevar, son of Pusa Thevar, Iluppaikulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Krishna Thevar, Ramanujampudoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th April 1976

Ref. No. XII/10/53(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under-Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. ---, situated at Serakkulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Srivaikuntam (Doc. No. 2344/75) on September 1975, for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.15 acres in Survey Nos. 714/2 (1.65 acres) and 715/2 (1.50 acres) with well, electric motor and pumpset and trees in Serakkulam.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 27-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th April 1976

No. IX/4/11(SEPT)/75-76.—Whereas, G. Ref. Τ. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

79, situated at Acharappan Street, George Town. Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 690/75) on 12-9-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section, 262C, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, sons, namely:-

(1) Shri R. Pandurangan, and Smt. P. Padmavathi Ammal W/o Shri Pandurangan. 16, Acharappan Street. George Town, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramakrishna Reddy. 36, Acharappan Street, George Town, Madras-1.

(Transferee)

S/Shri (3) 1. T. S. Jayagopal Chettiar.

- Welcome Traders.
 Welcome Dhall Mill.
 S. P. K. V. Lorry Service,
 Sri Venkateswara Scales Co.
 N. Ramadoss,
- 7. V. Chandran, 8. T. Raja Chetty,
- 9. P. Radhakrishnan and

10. S. Gokul.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property perty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 grounds and 471 sq. ft. with building thereon at 79, Acharappan Street (R.S. No. 5553/1), Madras-

G. RAMANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 27-4-1976

(1) Shri Sivagnanam Pillai, son of Marudai Pillai, Venkitachalapuram

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Kumaresan Nadar, son of Regunatha Nadar, Sathankulam.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 28th April 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. XII/9/102/SEPT/75-76.—WWhereas, I, G. RAMANATHAN,

(b) by any other person interested in the said said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 150/1, situated at Sathankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murappanadu (Doc. No. 1953/75) on 3-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

and/or

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act,

Undivided 1/3rd share in land measuring 22 acres and 72 cents in Survey No. 150/1, Sathankulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18—86G//76

or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 28-4-1976

Scal:

(1) Shri Sivagnanam Pillai, Venkitachalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Natarajan Nadar, son of Senthilvel Nadar, Sathankulam-628704.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XII/9/103(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a falr market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 150/1, situated at Sathankulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Murappanadu (Doc. No. 1954/75) on 3-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 22 acres and 72 cents in Survey No. 150/1, Sathankulam.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 28-4-1976

(1) Shri Siyagnanam Pillai, Venkitachalapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mathiazhagan Nadar, son of Rathnasamy Nadar, Sathankulam 628704.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 28th April 1976

Ref. No. XII/9/104(SEPT)/75-76.—Whoreus, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Survey No. 150/1, situated at Sathankulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murappanadu (Doc. No. 1955/75) on 3-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in land measuring 22 acres and 72 cents in Survey No. 150/1, Sathankulam,

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 28-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1111/2434/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share of 6454 situated at Katra Beryan, Gall Pipal Wali, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in October 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Munish Kumari w/o Sh. Naresh Chander, r/o 6454, Katra Beryan, Delhi-6.

 (Transferor)
- (2) Smt. Gianwati, w/o Sh. Bed Parkash, 2. Sh. Suresh Chander s/o Sh. Shree Ram, r/o 6454, Katra Beryan, Gali Pipal Wali, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of a double storeyed house constructed on a land measuring 192 sq. yds situated at No. VI/6454 Katra Beryan Gali Pipal Wali, Delhi-6.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1112/415/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern portion of J-3/6 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bir Singh Chauhan s/o Sh. Moti Singh, r/o Vill. Jahrana, PO. Bhagwatpur, Teh. Kher. Distt. Aligarh (UP).
- (2) Shri Chuni Lal Narula s/o Shri Kuljas Rai Narula r/o 128/30, Chand Moballa, Gandhi Nagar, Delhi-31. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of property No. J-3/6 constructed on a plot of land measuring 188.11 sq. yds out of the entire area 420.625 sq. yds situated in abadi Krishan Nagar, Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2-3-1976

(1) Shri Harsaroop Sharma s/o Sh. Shiv Chand Sharma r/o 7367, Prem Nagar, Subzi Mandi, Delbi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Kapur s/o Sh. Sham Dass Kapur, r/o 5323, Block 6-B, Jawahar Nagar, Subzi Mandl, Delhi-7.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1113/2377/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-15 situated at Satyawati Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1975.

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land no. 15 Block E measuring 200 sq. yds situated in the colony known as Satyawati Nagar, Delhi and bounded as under:—

North Road

South: Service Lane East: Plot No. E-14 West: Plot No. E-16

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2/3/1976

Scal:

K1 111--- 5EC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(119001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1109/2387/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/4th share of 1/24 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Lal s/o Sh. Des Raj r/o 1/24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Krishan s/o Sh. Des Raj r/o I/24, Kirti Nagar, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of a 2½ storeyed house built on plot No. 24 in Block I measuring 380.5/6 sq. yds situated in the colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: Service Lane South: Park

East: Plot No. I/24-A West: Plot No. I-22-23

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2/3/1976

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1110/2398/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share of I/24 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in September, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely:—

(1) Shri Roshan Lal s/o Shri Des Raj r/o I/24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj s/o Shri Kanshi Ram r/o 1/24. Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share of a 2½ storeyed house build on plot No. 24 in Block I measuring 380.5/6 sq. yds situated in the colony known as Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi and bounded as under:—

North: Service Road

South: Park

East: Plot No. I/24-A West: Plot Nos. I/22-23

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2/3/1976

(1) Shri Khem Raj Surana and Sh. Ghewar Chand Surana sons of Sh. Hasti Mal Surana r/o F-5/5 Model Town, Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Sh. Jagdish Ram Gupta 2. Master Deepak J. Gupta (minor) s/o Sh. Jagdish Ram Gupta 3. Smt. Leela wati w/o Sh. Rameshwar Dass Gupta, 4. Smt. Indra Gupta w/o Sh. Raj Kumar all r/o A-2/7, Krishan nagar, Delhi-51.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 2nd March 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. IAC/Acq.II/1114/2372/75-76,-Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in official Gazette.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> used expression EXPLANATION .—The terms herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. F-5/5 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in September, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

2½ storeyed building constructed on a plot of land measur-275.47 sq. yds constructed on free-hold plot No. 5 in Block F-5 Model Town, Delhi and bounded as under :--

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

East: Building No. F-5/6 South: Building No. F-4/5 West Building No. F-5/4

North: Road

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---19-86GI/76

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 2/3/1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 2nd March 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1115/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39/13 situated at Ramesh Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in September 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Vir s/o Sh. Manak Chand r/o 128-WZ H Shardapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalaya Devi w/o S. Hukam Singh, r/o FB/10, Tagore Garden, New Delhi-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 39/13 measuring 118 sq. yds situated at Ramesh Nagar, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 2/3/1976

~--------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE U, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1145/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 45-UA, Mun. No. 5990 situated at Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi '

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in September 1975

for an apparent consideration which is less than the fair mar-

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) I. Smt. Kaushalya Devi Wadhwa widow of Bawa Jagir Singh 43-UA Municipal No. 5990, Jawahar Nagar, Delhi-7 for self and as General Attorney of Manmohan Singh, Gurprem Singh sons, Sarbans Kaur, Harmesh Kaur and Surjit Kaur all majors and daughters of L. Bawa Jagir Singh. 2. Sh. Tarlochan Singh s/o Bawa Jagir Singh. 3. Smt. Hans Khosla d/o Bawa Jagir Singh w/o Mr. Y. C. Khosla r/o 45-UA, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Asa Nand Mehta s/o Shri Baldev Aam 2. Bishan Dass Mehta 3. Ram Dass Mehta 4. Dipinder Kumar Mehta 5. Yash Pal Mehta 6. Ashok Kumar Mehta, minors under the guardianship of his father Dr. Asa Nand Mehta r/o 45-UA, Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Asa Nand Mehta 2, Jeet Parkash 3, Sh. Sandu Ram, 4 Krishan Chand 5, Dayal Singh.

(person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed house constructed on a plot of land measuring 132.2/5 sq. yds situated at Plot No. 45 UA Municipal No. 5990 in Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under:—

North: House No. 45-B East: Govt Road 20' wide South: Govt. Road 20' wide. West: Govt. Road 15' wide.

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II. Delhi/New Delhi

Date: 5/4/1976

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1146/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 3769 situated at Main Bazar, Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in October, 1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ghasi Ram s/o Sh. Memraj Mal 2. Shiv Kumar s/o Sh. Ghasi Ram and 3. Kamal Kant (minor) through Shri Ghasi Ram as guardian and real father r/o 3746 Gali Barna, Sadar Bazar Delhi.

(Transferor

(2) Shrì Mithan I.al s/o Hakim Chander Bhan r/o 1239, Sadar Thana Road, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3769 Main Bazar, Bara Tooti Sadar Bazar, Delhi constructed on land measuring 23.1/3 sq. yds and bounded as under:—

North: Main Road East: Others property South: Others property West: Others property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 5-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 5th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1147/76-77.--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. G-39 situated at Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Shri Shanti Swaroop s/o Shri Ram Rang r/o F-54, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shanker Dass s/o Shri Kiróri Ram r/o M-40 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing plot No. 39 in Block G measuring 200 sq. yds situated in the residential colony known as Bali Nagar, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range II,
Delhi/New Delhi

Date: 5-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1162/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 35UA Property No. 6011 situated at Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Har Krishan Kakar s/o Sh. Bhagwan Dass Kakar;
 Smt. Raminder Kakar w/o Shri Har Krishan Kakar r/o 39-A, Malka Ganj, Delhi-7.
 (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar Jain s/o Shri Wazir Singh Jain and Smt. Raj Kumar, Jain w/o Shri Raj Kumar Jain r/o 35UA, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) 1. Shri Behari Lal; 2. Sh. R. L. Summon; 3. Sh. Laxman Singh; 4. Sh. Inda Sain Pandey; 5. Prem Nath Bhasker; 6. Sh. Goswami.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building with free-hold plot of land underneath measuring about 160 sq. yds. bearing plot No. 35UA property No. 6011 situated at Jawahar Nagar, Ward No. 12, Subzi Mandi, Delhi and bounded as under:—

North: Road 20'

East: Building on plot No. 36

South: Road 15'

West: Road 20'

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Delhi/New Delhi

Date: 6-4-1976.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1 (110001)

New Delhi, the 6th April 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1161/76-77.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. D-1/5 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in December, 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsuction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Smt. Shashi Anand wd/o Sh. Som Sudhershan Anand for self and natural guardian of Miss Sonia Anand and Miss Seema Anand 1/0 D-1/5, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Piara Lal Anand s/o Sh. Mcla Ram, r/o D-1/5, Krishan Nagar, Delhi-51

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 112.3 sq. yds. situated at No. D-1/5, Krishan Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under .-

North: Road

East: H. No. D-1/6

South: House of Sh. Piara Lal

West: H. No. D-1/5

S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-4-1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st April 1976

Ref. No. RAC. No. 28/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 26 situated at S. P. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on 2-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Hushmuthunisa Begum;
 Sri Jai Narayan Misra, both residing at Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. P. Ranga Rao, H. No. 10-3-175 Jon's Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Plot No. 26 at Sardar Patel Road, Secunderabad, Area. 345 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range.
Hyderabad

Date: 1-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'JYOTHI BUILDINGS, GOPALAPRABHU ROAD, ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin, the 6th May 1976

Ref. L.C. No. 64/76-77,—Whereas, I, S. N. CHANDRA-CHOODAN NAIR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. Nos. as per schedule situated at Ernakulam Village in Ernakulam Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 15-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

20-86GI/76

- (1) (i) C. Sankara Menon; (ii) C. Lakshmikutty Amma; (iii) C. Ramachandra Menon; (iv) C. Krishnamoorthy (by C. Sankara Menon); (v) C. Harikumar (by C. Sankara Menon); (vi) C. Radhai; (vii) C. Vijayaraghavan.
- (2) Shri N. R. Haridas, Narayana Vilasom, Karithala desom, Ernakulam.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

133 cents of land with Hotel building in Sy. No. 595 of Ernakulam village, Ernakulam District.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 6-5-1976.

(1) Smt. Ali Vishesh Dhan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hasa Nand and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd May 1976

Ref. No. 22-H/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kanungoyan Prem Nagar, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 4-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated in Kanungoyan Prem Nagar, Distt. Bareilly.

F. RAHMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-5-1976,

Seal ;

FORM ITNS ----

(1) Smt. Shanti Devi and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Karan Singh and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd May 1976

Ref. No. 47-K/Acq.—Whereas, I, F. RAHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Maikeniar Road, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 16-9-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Ghapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated in Maikenar Road, District Bureilly.

F. RAHMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-5-1976.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 892-A/Acq/Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Lalta Devi, widow of Late Devendra Kumar, as natural Guardian and Mother Mr. Munnu, adult, s/o Devendra Kumar, and Km. Anuradha, and Km. Bandana (minors)d/o Late Devendra Kumar r/o Ansari Road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Messrs Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Ranveer Kumar Kapoor, s/o Lala Jagdish Ram Kapoor, Partner of the Firm, r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop at ground floor and vacant land at the back of it as per details given in annexure to form No. 37-G, bearing No. 4564, situated at Railway Station Road, Distt, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 29,000/-.

VIJAY BHARGAVA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 893-A/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Yashvi Kumar s/o Late Devendra Kumar Bansal self and Attorney of Shri Sanjeev Kumar s/o Late Devendra Kumar r/o Ansari Road, Saharanpur, and 2. Denesh Kumar s/o Devendra Kumar r/o above.

(Transferor)

(2) Messrs Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Ranveer Kumar Kapoor s/o Jagdish Ram Kapoor, Partner of the Firm r/o Gill Colony, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop at ground floor and vacant land at the back of it as per details given in annexure to form No. 37-G, bearing No. 4565, situated at Railway Station Road, Distt. Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 29,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 894-A/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (1) of 1922) or the Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

 Smt. Sunita Devi, w/o Dr. Ram Kumar Sanghal, d/o Late Shri Devendra Kumar, r/o Chilkana, Post-Khas, argana-Sultanpur, Teh. Nakood, Distt. Saharanpur,

(Transferor)

(2) Messrs Kapoor Engineering Works Railway Road, Saharanpur, through Shri Ranveer Kumar Kapoor s/o Lala Jagdish Ram Kapoor, Partner of the Firm r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop and land as per details given in column No. 3 of Form No. 37-G bearing No. 4570, situated at Railway Station Road, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-4-1976.

(1) Smt. Lalta Devi, widow of Late Shri Devendra Kumar, r/o Ansari Road, Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Messers Kapoor Engineering Works, Railway Road, Saharanpur, through Ranveer Kumar Kapoor s/o Lala Jagdish Ram Kapoor, partner of the Firm r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 23rd April 1976

Ref. No. 895-A/Acq./Saharanpur/75-76.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Saharanpur on 4-9-75

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of shop and land as per details given in column No. 3 of Form No. 37-G bearing No. 4571, situated at Railway Station Road, Saharanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 10,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 23-4-1976

 Shri Jayalakshmi Housing Society, 64, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) S/Shri Goli Eswariah, 2. G. Venkatalaxmi 3. G. Ramesh, 4. G. Naivda Kishore, 5. G. Sivakumar, all residing at Secunderabad.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 57/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 3-6-181 to 200 situated at Boosareddyguda, Secundera-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 15-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Land and building measuring 10132 sq. yds. M. No. 3-6-181 to 3-6-200 at Boosareddyguda, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 24-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 58/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-9-338 to 341 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 29-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ot
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
21—86GI/76

(1) 1. Smt. Zahira Begum w/o Late Mohd, Nasiru, 2. Smt. Sirajunnisa Begum, 3. Sri Hussain Bin Nasir, 4. Smt. Sayeeda Begum, 5. Sri Haji Mohd, Mohsin Bin Nasir, 6. Sri Ali Bin Nasir, 7. Sri Hasan Bin Nasir, 8. Miss Aisha Begum, 9. Mohd, Bin Nasir, 10. Ahmed Bin Nasir, guardian, Smt. Sirajunnisa Begum, being minor. All residing at King Koti, and Barkas, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Iftikhar Mehdi Khan, s/o Nisar Mehdi Khan, H. No. 3-6-782 at Himayatnagar Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: House bearing No. 5-9-338 to 341 measuring about 220 sq. yds. at Gunfoundry, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 24-4-1976

FORM ITNS ---

(1) Baptist Church, Pvt. Ltd. 1. L. F. Kroll s/o Joseph, H. H. M. Knoll New Avadi Road, Killpank, Madras-10, 2. P. Sadanandam, s/o P. Abraham, r/o Sarojini Devi Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1. Merala Narasimha Rao, 2. Yerlagadaveera Venkata-Prabhakara Rao, 3. Chellagalla Veera Rajya Lakshmi w/o C. V. Rao, Velangi, village, East-Godawari-Dist. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 59/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/351/A situated at Subedarpet, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Nellore on 15-9-75

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property: Ward No. 7 Door No. 351-A in 758 Ankanams at Subedarpet, Nellore. Area 262 sq. Mets.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-4-1976.

 Smt. Faizunnisa Begum, w/o Khaja Nasrullah, H. No. 3-6-106/1, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Hussamuddin, 2. Smt. Sagora Begum, H. No. 5-3-844 at Malakunta, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Hyderabad, the 24th April 1976

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 60/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 3-6-106/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 13-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

Property: House No. 3-6-106/1 at Himayatnagar, Hyderabad.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 24-4-1976.

 Shri Dinanth Modi s/o Sri Hanumandas Modi, H. No. 21-2-624 Urudu Sharif, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 61/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/z and bearing

Plot No. 2 situated at Bashubagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 15.9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Sri Surya Prakash Rathi s/o Late Ramgopal Rathi, H. No. 20-2-104, Old Kabutar Khana, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Vacant land measuring 500 sq. yds. Plot No. 2 under Layout sanction No. 38 Book, No. II, dt. 9-5-73 in file No. 30/31 1-B-63 of the Municipal Corporation Hyderabad at Bashiir Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 24th April 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 62/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-7 & 1-2-7/1 situated at ground floor, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, im respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitions of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bai Mai D-Italia, H. No. 1-2-7 r/o Parsigallim Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Kameshwaramma, r/o Vellareddyguda, Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property: House No. 1-2-7 and 1-2-7/1 ground floor Parmod Colony, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 24-4-1976.

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 24th April 1976

Ref. No. RAC. No. 63/76-77.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-7 & 1-2-7/1 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 3-9-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Baimai, D. Italia, Parsigalli, at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri U. Vasudevasarma and P. Ahalya Alias U. Radhika, H. No. 1-2-7/3 at Banoo Colony, Gagan-mahal Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: All that piece and parcel of premises M. No. 1-2-7 first floor and Ist floor 1-2-7/1 area 200 sq. yds. and 1st floor area 390 sq. yds. Banoo Colony Gaganmahal Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 24-4-1976.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1976

Ref. No. AC-235/R-IV/Cal/76-77.—Whereas, I, A. K. BATABYAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. P-12, situated at C.I.T. Scheme 'L', Calcutta

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 1-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sm. Panna Devi.

(Transferor)

(2) M/s Baiju Chowk Properties.

(Transferce)

The list of tenants of Premises No. P-12, C.I.T. Scheme 'L'

(3) 1. Janata Jalpan. 2. Nandlal & Bros. 3. Sm. Indira Devi. 4. Kanhyalal Dugar. 5. Debnath Sen. 6. Kalpataru Colour Co. 7. Janu Bhai & Kesore Rae, 8. Sunderlal Maheswari. 9. Padam Chand Rampuria. 10. Premkumar Omprokash. 11. N. G. Roy & Sons. 12. Mohonlal Kocher. 13. Shyamsundar Saha, 14. Hazarilal Agarwalla. 15. Sachuram Agarwalla. 16. Oswal Watch Co. 17. Radha Krishna Gupta. 18. Radha Krishna Gupta. 19. Pawn Cloth Store. 20. Biswa Nath Agarwala. 21. Janata Tailor. 22. Sekar Chand Jain 23. Bhowarlal Tularam, 24. Bolai Lal Sharma. 25. Sankar Bilas Shaw. 26. Ashraf Ali Mullick. 27. Lakshmi Narayan Store. 28. Madan Mohan Saha. 29. Hanumandas Agarwalla. 30. Gopi Chand Agarwalla. 31. B. R. Gupta. 32. Hari Singh Jain. 33. Ram Sagore Shaw, 34. Abdul Hannan Thander. 35. Sujauddin & Anr. 36. Hari Kissen Gupta, 37. Joy Bhagwan Gupta, 38. Narayandas Chandak. 39. Prithichand Natendrakumar. 40 J. R. Lohotia, 41. Dalchand Bachwat. 42. Biswanath Chowdhury. 43. Biswanath Chowdhury. 44. New Bharat Lakshmi Hosiety. 45. Sk. Wazed Ali & Bros. 46. Jainal Abedin & Ors. 47. Baleswar Shaw & Jogeswar Shaw, 48. M/s. Shanti Kumar Kothari, 49.Suvendu Kundu. 50. Hanumandas Mundra. (Person in occupation of the property)

(4) M/s Motilal Kanoria & Surendra Kumar Kanoria. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that one storied brick built building at premises No. P. 12 C.I.T. Scheme '12', Calcutta, together with revenue free land thereunto containing an area of eight chottas fifteen chittacks and five sq. ft.

A. K. BATABYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date 3-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 15th May 1976

Ref. No. IX/1/16(SEPT)/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18, situated at Thathamuthiappan Street/82, Nattu Pilliar Koil Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras (Doc. No. 6596/75) on September 1975

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of he llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri T. K. Thandavakrishnan, 1/A, 4th Trust Cross St., Mandavelipakkam, Madras-28.

(Transferor)

(2) Smt. M. Kamalakshi Bai, W/o Shri M. B. Rama Rau, 19, Akbarabad 2nd Street, Kodambakkam, Madras-24.

(Transferee)

(3) 1. V. A. Shanmugam, 2. Ponniah, 3. Sulekha Bivi, 4. Sangu Mohamed, 5. Kannan Tea Shop, 6. Chandrasekharan, 7. Velu Naicker, 8. Rajagopal Chetty, 9. Kannappa Achari, 10. Mancika Thevar, 11. Sriramulu Chetty, 12. Kannan Coffee, 13, Prabhkar Rao and two others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 ground and 1859 sq. ft. with building thereon at door No. 18, Thathamuthiappan Street/82, Nattu Pilliar Koil Street, Madras-1 (Survey No. 6743).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-5-1976.

(1) 1. Mohan Kahar, 2. Sitaram Kahar of Noapukhri, Tinsukia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 27th February 1976

A-123/TSK/75-76/4229-36.-Whereas, No. EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Plot of land measuring about 2k. 1-3/4L bearing periodic patta No. 12 (old), 408 (old)/1109 (New) Dag No. 2100 (old)/4752 (new) at Noapukhri Tinsukia Mouza. situated at Tinsukia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tinsukia on 15th Sept. 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-22-86GI/76

Shri Krishna Kumar Roy, Chamber Road (Near Barabazar) Tinsukia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring about 2k. 1-3/4L bearing peroidic patta No. 12 (old), 408 (old)/1109 (New) Dag No. 2100 (old) /4752 (new) at Noapukhri Tinsukia Mouza.

> EGBERT SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (C.A.) Acquisition Range, Shillong.

Date: 27-2-76,

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY-2

Bombay, the 14th May 1976

Ref. No. AR-II/2054/3953/75-76.—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.T.S. Nos. H/387, 391, Final Plot No. 6, T.P.S. No. 4 situated at Danda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-9-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value if the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mangalagauri Narmadashankar Raval, Smt. Kundangauri Ichhashankar Vyas, Shri Ramesh R. Raval, Shri Mahendra R. Raval, Shri Rajendra R. Raval.

(Transferor)

(2) Shri Ambalal Maganlal Patel & Jayantilal Maganlal Biscuitwala.

(Transferee)

(3) (1) Bharatkumar, A. Jam, (2) M. Y. Wakherkar (3) Chhabildas Chhotalal Patel, (4) Mohanlal Chitroda (5) Pragibhai R Chitroda, (6) Smt. Padmaben C. Shah, (7) Kantilal N. Shah, (8) Jayantilal M. Shah, (9) Premjibhai Shah, (10) Kantilal M. Shah, (11) Jasvantlal N. Shah, (12) Ravishankar J. Joshi, (13) Pravinchandra B. Desai, (14) Rajnikant M. Parikh, (15) Smt. Bhanuben A. Thosani (16) Jayantilal M. Dhupolia, (17) Bhogilal D. Shah, (18) Smt. K. B. Dhabuwal, (19) Chimanlal D. Shah, (20) Kantilal C. Mehta, (21) Chhabildas Chhotalal Patel, (22) J. M. Sampat, (23) Kodarlal D. Vyas, (24) Chimanlal D. Amin, (25) Upendra Ambalal Kaka, (26) Kashibhal Kalidas Patel (27) Jayantilal M. Shah, (28) Dhirajlel M. Gaglani, (29) Revashankar P. Joshi, (30) Harishanker P. Pandya.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL those several pieces or parcels of land or ground together with the messuages tenements or dwelling houses standing therein with all the trees wells fences etc. situate at Saja Danda (Santacruz) Taluka Andheri in the Registration Sub-District and District at Bombay city and Bombay Suburban bearing C.T.S. Bandra bearing Nos. H/387 to 389 and being final Plot No. 5 (Original Plot No. 82) or T.P.S. No. 4 Santacruz admeasuring 3192 square yards i.e. 2669 sq. meters or thereabouts and bounded on the east and North by private passate on the South by the property known as Maheshwar Villa and on the West by Swami Vivekanand Road on or towards by North by Chapell Road and on or towards the East by a Road.

M. J. MATHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
Bombay.

Date: 14th May 1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II.
SMT. K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING,
NEAR CHARNI ROAD STATION,
BOMBAY

Bombay-2, the 15th May 1976

Ref. No. AR-11/2060/4049/75-76—Whereas, I, M. J. MATHAN, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 9, S. No. 287(pt.), City S. No. 159 I. Dev. Scheme situated at Vile Parlc (West)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bandra on 29-9-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) 1. Shri Ramanlal Girdharilal Shah
 - 2. Shri Ramesh Ramanlal Shah
 - 3. Upendra Ramanlal Shah.

(Transferor)

(2) Shri Harish Jayantibhai Patel.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Munubhai Mehta
 - 2. Shri Harshadbhai T. Shah
 - 3. Shri Girdharlal Gandhi
 - 4. Shri Ashokbhai M. Patel
 - 5. Shri Dhirajlal Mehta.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that leasehold piece and parcel of land or ground situate on the North South Road No. 4 at Vile Parle in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 534 square yards equivalent to 448.50 square metres or thereabouts and bearing Plot No. 9 of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited and Registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 287 (part) City Survey No. 159 of Juhu Development Scheme, Vile Parle and assessed by the assigner and Collector of Municipal Rates and Taxes of the Municipal Corporation of Greater Bombay under 'K' Ward No. 8186 (9) Street No. 24, Juhu Vile Parle, Plot No. 9 and bounded as follows that is to say:—

On or towards the East by 40' Road of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.

On or towards the West by Plot No. 8 of the Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.

On or towards the North by 60' Road of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.

On or towards the South by Plot No. 10 of Vallabh Nagar Co-operative Housing Society Limited.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15th May 1976

FORM ITNS-----

(1) M/s. Esso Eastern Incorporated.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila K. Vijan and Trilok Kumar K. Vijan.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, SMT. K.G.M.P. AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, NEAR CHARNI ROAD STATION BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 11th May 1976

Ref. No. ARI/1315-7/Sep.75.—Whereas, I, V R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-l, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS, 1970 of Mahim Division situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-9-1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land situate lying and being at Lady Jamshedii Road, Bombay, Plot No. 630 of Town Planning Scheme-III. Mahim, bearing Collector's New Survey No. 23-25 (Part) C.S. 1970 of Mahim Division containing by admeasurement 574 sq. metres equivalent to 687 sq. vds. or thereabouts and assessed by Bombay Municipal Corporation under G. Ward No. 4945 Street No. 273 Lady Jamshedii Road and bounded as follows:—

- On or towards the East by Plot No. 629 of TPS-III Mahim,
- On or towards the West by Plot No. 632 of TPS-III Mahim,
- On or towards the North by 50' Road off Lady Jamshedji Road
- On or towards the South by Plot No. 635 of TPS-III Mahim.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-5-1976.

(1) 1. Shri Ghesalal D. Agarwal alias Goyal. 2. Prabhatilal R. Agrawal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,

SMT. K.G.D.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING, NETAJI SUBHASH ROAD BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 15th May 1976

Ref. No. ARI/1355-33/Sep.75.—Whereas I. V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of IncomeTax, Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS. 48 of Girguum Division situated at Queen's Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 22-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) in the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(2) Shri 1. Pethe M. G.2. Bhagwandas H. Shah

3. Nitinkumar B. Shah,

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece of land situate on the East side of Queens Road within the City and Registration District and subdistrict of Bombay containing by admeasurement 211,85 sq. yds. approximately 178 sq. mts. or thereabouts and bounded as follows: That is to say on or towards the NORTH EAST by the property of Moroba Dhanji Rawoot and other bearing Cadastral Survey No. 49, on or towards the NORTH EAST by the Government passage on or towards the NORTH EAST by the property in occupation of the Trustees of the Byramjee Jecjeebhoy Parsi Charitable Institution and on or towards the SOUTH WEST by the Government land beyond which is Queens Road and which said piece of land is registered in the books of the Collector of Bombay under No. 8351 in the Collector's rent Rolland bears Cadastral Survey No. 48 of the Girgaum Division together with the buildings and structures executed thereon and assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. 14(D) Ward No. 1466(2) Street No. 31-31A Queens Road, (house with shops Automobile Buildings).

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 15-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-111,

SMT, K.G.M.P. AYURVED HOSPITAL BUILDING. NETAJI SUBHASH ROAD, CHARNI ROAD,

BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 3rd May 1976

Ref No. AR/III/855/Sep.75.—Whereas, I, Shri R. G. NERURKAR, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. AI(part) situated at Kandivli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office, Bombay on 18-9-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(1) 1. Mrs. Lalitaben L. Lokhandwalla

Mrs. Asha B. Shah
 Shri Harish L. Lokhandwalla
 Shri Manish L. Lokhandwalla

5. Shri Chetan L, Lokhandwalla, 'Mahavir' 3rd floor, Ridge Road, Bombay-6-

(Transferor)

(2) M/s. Kishore Builders Pvt. Ltd. 216, Commerce House, 2nd Floor, 40, Medows Street, Fort, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the, said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground, admeasuring 1,786 sq. yds. i.e. 1,482,38 sq. meters or thereabouts and on being Plot No. AI (part) Dahanukar Wadi, Kandivir Village, in the Registration District and Sub-Dist. of Bombay City and Rombay Suburban and bearing "R" Ward No. City and Bombay Suburban and bearing "R" Ward No. 2281(2) Street No. Al. Datta Mandir Road, Dhanukar Wadi, Kandivali and bounded on the North by Plot No. A-l (part) on the West by Survey No. 87 on the East by Ratta Mandir Road, and on the South by Plot No. A-2.

> R. G. NERURKAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-5-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II AYURVEDIC HOSPITAL BUILDING, 5TH FIOOR, NEAR CHARNI ROAD STATION

Bombay-400002, the 1st May 1976

BOMBAY-400 002

Ref. No. AR-W/2044/3841/75-76.—Whereas, I, M, J. MATHAN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Bombay. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13, T.P.S. II situated at Juhu (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-9-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

been truly stated in the said instrument of transfer with

the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely-

- (1) Smt. Vasumati Babalchand Keshavlal Mody. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Subh Niwas Co-op, Hsg. Soc. Ltd. (Transferce)
- (3) 1. Shri Manohar Lall Azad
 - 2. Shri Kaushal Bharati
- 3. Shri Ram Singh Gulati
- 4 Smt. Jasbir Kaur 5. Shri Joginder Singh Anand
- 6. Shri Rajender Pal Singh Chawla Shri Kantilal Narain Dass Devnani
- 8. Shri Madan Lal Gupta
- 9. Kumari Maxi Pinto 10. Kumari Kasturi Puthran
- 11. Shr! Mehtab Singh Khooshal Singh Gulati Garage (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parel of land or ground together with the building constructed thereon situate lying and being at Juhu in the registration District and Sub-District of City of Bombay and Bombay Suburban Containing by admeasurement 613 sq. yds, or thereabouts i.c. 512.468 sq. mts, or thereabouts and being the North and portion of Plot No. 13 of the Town Planning Scheme No. II of Santacruz and which piece or parcel of land is bounded as follows:-that is to say on or —towards the South by the other part of the said Plot No. 13 one or towards the East by the Khajan Land and on or towards the West by the 25 feet wide road of the said Scheme. The property bears C.T.S. No. 1013.

> M. J. MATHAN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 1st May 1976

FORM ITNS----

(1) M/s. D.L.F. United Limited, 40-F. Connaught Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I.
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW-DELHJ-1(110001)

New Delhi, the 17th May 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SE.III/Sept./(13)938/75-76.— Whereas I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing B-260, situated at Greater Kailash-I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delbi on 5th September 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Shri Mohd, Yusaf (Minor),
 Shri Mohd, Iqbal (Minor)
 sons of Ghulam Mohuddin Tramboo through their father and Natural Guardian Shri Ghulam Mohuddin Tramboo
 Smt. Posha Begum w/o

Ghulam Mohuddin Tramboo All r/o No 6, Raj Bagh, Srinagar (Kashmir)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-260, measuring 314 sq. yds. Greater Kallash-I, New Delhi situated at Village Vaqutpur, in the Union Territory of Delhi and is bounded as under:—

North : Road

South: Service Lane

East: Plot No. B-260A, Greater Kailash-I

West: Road

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-5-1976

Shri Vidya Sagar,
 Shri Prem Sagar Nigam S/o Late Sitaram,
 R/o 109/404A and B, Nehru Nagar,
 Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th April 1976

Ref. No. 392/Acq/Kanpur/75-76/83—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 5-8-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(2) Shri Harbhajan Singh son of Sardar Sundar Singh R/o 118/10, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House No. 110/131, Ram Krishan Nagar Kampur constructed on Plot No. 76, measuring 356 sq yds transferred for an apparent consideration of Rs. 40000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 13-4-1976

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 13th April 1976

Ref. No. 898/Acq/G.Bad/75-76/88.--Whereas, I, VIJAY BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-8-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Tej Ram S/o Shri Jai Narain, R/o Mohalla Sohan Lal, Ghaziabad, Distt Meerut.

(Transferor.)

(2) 1. Shri Hari Chand,
2. Shri Shrichand,
Both sons of Lala Babu Ram,
R/o 28, Chandrapuri,
Ghaziabad, Distt, Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of plot Nos. 21 and 22, measuring 400 sq. yds. situated at Chandrapuri, Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 30000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 13-4-1976

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT

(EXAMINATION WING)

NOTICE

GRADE III STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1976.

New Delhi, the 29th May 1976

No. 13/1/76-ARRNG.—Examinations Wing of Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi, will hold on 28th December, 1976, at AGARTALA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DARJEELING, DELHI, GAUHATI (DISPUR), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, RAIPUR, RANCHI, TRIVANDRUM, UDAIPUR and at selected INDIAN MISSIONS ABROAD, the Grade III Stenographers' Examination, 1976, for recruitment to temporary vacancies in different services/posts under Government of India.

- 2. Conditions of eligibility:
- (a) Age Limits: Candidates must be between 18-25 years of age on 1st January, 1976. Upper age limit relaxable for SC/ST, Ex-Servicemen and certain other specified categories.
 - (b) Qualifications: Matriculation or equivalent.

- 3. Pay Scale (Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560).
 - 4. Fee: Rs. 12/- (Rs. 3/- for SC/ST).
- 5. Full particulars and application forms obtainable from Deupty Director (EW), Institute of Secretariat Training and Management, West Block No. 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1/- (Rs. 2/- if application form is desired to be despatched by Registered Post) by means of crossed Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management, New Delhi, along-with three slips showing their name and postal address in block letters, or on cash payment at the Institute's office.
- 6. Completed application forms must reach the Institute by 21st July, 1976 (4th August, 1976 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep). Applications received after that date will not be entertained.

MADAN LAL, Director (Examinations)